राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित
वर्ष : 11
अंक : 354
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 05 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद के नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न
पेज 5 सुलतानपुर : अवैध संबंधों में रोड़ा बनने पर हुई थी मां-बेटी की हत्या, दो हफ्ते पहले रची थी साजिश
पेज 7 महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए नार्थ ईस्ट फुटबाल लीग का आयोजन

कुल्लू में खाई में गिरी प्राइवेट बस

स्कूली बच्चों समेत 13 की मौत

एजेंसी

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की सैंज घाटी में शैंशर मार्ग पर एक निजी बस 200 मीटर गहरी खाई में गिरने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। हादसे में स्कूली बच्चों समेत 12 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक घायल ने क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जिसके बाद अब मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। वहीं 2 घायलों का उपचार चल रहा है। हादसा सोमवार सुबह करीब 8 बजकर 45 मिनट पर हुआ। हादसे के वक्त बस में करीब 30 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि बारिश के चलते मार्ग पर मलबा गिरा हुआ था। इससे पहले सरकारी और एक निजी बस यहां से निकल चुकी थी। जब यह बस यहां से गुजरी तो चालक ने बस के टायर को सफेद लाइन से बाहर कच्ची सड़क पर निकाल दिया। जिसकी वजह से वह पलटकर खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू दल मौके पर पहुंचा। पुलिस और प्रशासन के अधिकार भी मौके पर पहुंचे। 108 एंबुलेंस के जरिए लोगों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में 13 मृतकों के नाम सामने आए हैं। तूंग डाकघर बजहरा निवासी तनु (20), गांव तूंग सैंज निवासी प्रेम चंद (52), फतेह चंद (70), गांव धारठा सैंज निवासी अनीता (19), गांव तूंग निवासी सुशील (21), सेरी निवासी रोशी देवी (45), गांव रियाहडा निवासी खीम (40), जामरा सारसा निवासी अमित, तूंग निवासी पार्वती देवी (40), वजाहरा निवासी झावलू (28), रागशे नेपाल निवासी आकाश (16), राखी माया और संजय कुमार (27) पुत्र शाउणू निवासी बिहार के रूप में हुई है।

पीएम मोदी ने दुख जताया

हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। पीएम ने कहा- हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुआ बस हादसा दिल दहला देने वाला है। इस दुखद घड़ी में मेरी शोक संवेदनाएं मृत परिवारों के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि जो घायल हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। हिमाचल के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने भी हादसे में मारे गए लोगों के लिए संवेदना प्रकट की।

कंडक्टर ने कहा- मिट्टी में फिसल गई बस

हादसे में घायल में बस कंडक्टर गोपाल ने बताया कि हमें पता ही नहीं चला कि क्या हुआ, बस मिट्टी पर फिसल गई। उसमें लगभग 12-15 यात्री सवार थे। हमें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला, सब कुछ बहुत जल्दी हुआ।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध

विजयवाड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हेलिकॉप्टर के सामने छोड़े काले गुब्बारे, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आंध्र प्रदेश की यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। पीएम के दो हेलिकॉप्टर ने विजयवाड़ा के गन्नावरम एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उसी समय कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने एयरपोर्ट के पास स्थित एक निर्माणाधीन इमारत की छत से काले गुब्बारे छोड़े। वे पीएम का विरोध कर रहे थे।

पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने गुब्बारों के साथ पोस्टर भी बांध रखा था।

SP सिद्धार्थ कुशल ने कहा कि एयरपोर्ट के पास सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। जैसे ही प्रधानमंत्री के हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी, इन लोगों ने गुब्बारों को हवा में छोड़ दिया।

पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती समारोह में शामिल होने आंध्र प्रदेश पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने राजू की 30 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का भी अनावरण किया।

मोदी ने कहा कि आज एक ओर देश आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहा है, साथ ही अल्लूरी सीताराम राजू गारू की 125वीं जयंती का अवसर भी है। संयोग से, इसी समय देश की आजादी के लिए हुई 'रम्पा क्रांति' के 100 साल भी पूरे हो रहे हैं।

राजू के जीवन को बताया प्रेरणादायी

उन्होंने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू गारू की 125वीं जन्मजयंती और रम्पा क्रांति की 100वीं वर्षगांठ को पूरे साल सेलिब्रेट किया जाएगा। पंडरंगी में उनके जन्मस्थान का जीर्णोद्धार, चिंतापल्ली थाने का जीर्णोद्धार, मोगल्लू में अल्लूरी ध्यान मंदिर का निर्माण, ये कार्य हमारी अमृत भावना के प्रतीक हैं। पीएम ने कहा कि आजादी का संग्राम केवल कुछ इलाकों का, या कुछ लोगों का इतिहास नहीं है। ये इतिहास, भारत के कोने-कोने और कण-कण के त्याग, तप और बलिदानों का इतिहास है। सीताराम राजू ने अपना जीवन आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए और देश की आजादी के लिए समर्पित कर दिया। राजू की जीवन यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणा है।

छत्तीसगढ़ में महिला से निर्भया जैसी दरिंदगी

दुष्कर्म कर गुप्तांग में डाल दिया तवे का मूठ; छाती-गले की हड्डी तोड़ी, फेफड़े फटने से मौत

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में एक महिला से निर्भया जैसी दरिंदगी की गई। 55 साल की अधेड़ महिला से पहले दुष्कर्म किया गया। फिर उसके गुप्तांग में तवे का मूठ डाल दिया। उसके गले और छाती को पैरों से रौंद डाला, जिसके कारण महिला की हड्डियां टूट गईं, फेफड़े फट गए और महिला की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अकलतरा थाना क्षेत्र में रविवार को महिला का शव उसके घर में अर्धनग्न हालत में मिला था। वार्ड-2 निवासी 55 साल की महिला के पति की करीब 3 साल पहले मौत हो गई थी। उसका कोई बच्चा भी नहीं था। महिला घर में अकेले ही रहती थी और दूसरों के घरों में काम करती थी। रविवार सुबह जब काफी देर तक महिला घर से बाहर नहीं निकली तो पड़ोसी उसे देखने के लिए पहुंचे। वहां अंदर कमरे के दरवाजे के पास ही महिला का अर्धनग्न शव पड़ा था। दुष्कर्म और जघन्य हत्या को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम बनाई। जांच के दौरान पता चला कि निगरानी बदमाश सूरज भोई को घटना वाले दिन क्षेत्र में देखा गया था। इस पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ घंटों बाद ही आरोपी को अकलतरा के एक ढाबे से हिरासत में ले लिया। पहले तो वह मना करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ में उसने महिला से दुष्कर्म और हत्या करने की बात कबूल कर ली।

महिला को अकेला देख घर में घुसा आरोपी

आरोपी सूरज ने पुलिस को बताया कि 2 जुलाई की रात वह पोड़ीभांठा में घूम रहा था। तभी उसे मकान का दरवाजा खुला दिखाई दिया। वहां एक महिला अकेले सोई हुई थी। यह देखकर वह अंदर घुस गया और डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। वह दोबारा भी दुष्कर्म करना चाहता था, लेकिन तब तक महिला उसके चंगुल से छूटी और बाहर आकर चिल्लाने का प्रयास करने लगी। इस पर आरोपी ने महिला के बाल पकड़कर उसे अंदर खींच लिया।

छाती पर चढ़कर गला दबाया, नहीं मरी तो पैर से कुचला

आरोपी ने महिला को जमीन पर पटक दिया और घर में रखे तवे से उस पर वार किया। महिला दर्द से छटपटाने लगी तो उसकी छाती पर चढ़ गया और उसके गले को हाथ से दबा दिया। इसके बाद भी महिला बचने का प्रयास करती रही। इस पर आरोपी ने छटपटा रही महिला के गले पर पैर रख दिया और उसे दबा दिया, जिसके कारण महिला की मौत हो गई। इसके बाद महिला के हाथ में पहनी चांदी की चूड़ियां निकाल लीं और वहां से भाग निकला।

आधा दर्जन वारदातों में जा चुका है जेल

थाना प्रभारी लखेश केंवट ने बताया कि आरोपी सूरज भोई निगरानी बदमाश है। वह इससे पहले भी आधा दर्जन से ज्यादा बार अलग-अलग अपराधों में जेल जा चुका है। आरोपी जब भी जेल से छूटकर आता नए अपराध की रणनीति बनाता और उसे अंजाम देने के बाद कुछ दिन ऐश करता था।

पूरे देश में मानसून, पूर्वोत्तर में बाढ़

दिल्ली समेत 8 राज्यों में 3 दिन भारी बारिश के आसार, असम के 26 जिले बाढ़ग्रस्त

नई दिल्ली। देश में मानसून सक्रिय हो गया है और इसका असर दिखने लगा है। लगातार हो रही बारिश ने गर्मी और उमस से राहत दिला दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, बिहार और गुजरात में अगले तीन दिन तक जोरदार बारिश होने का अनुमान है। वहीं असम में रविवार से बाढ़ से कुछ हालात सुधरे हैं, लेकिन अब तक राज्य के 26 जिलों में 18 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हो चुके हैं।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार,दिल्ली में गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे से शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 117 मिलीमीटर बारिश हुई। दक्षिण पश्चिम मानसून आम तौर पर 27 जून को राष्ट्रीय राजधानी में पहुंचता है और पूरे देश में 8 जुलाई तक रहता है।

दिल्ली : सड़कों पर भरा पानी, दो दिन भारी बारिश का अलर्ट

दिल्ली में मौसम मेहरबान है। रविवार को झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हुआ और लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, बुराड़ी, दिलशाद गार्डन, दिलशाद कॉलोनी और मंडी हाउस सहित दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई। पर बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक जाम भी लग गया। सड़कें फिर से तालाब बन गई।

दिल्ली में 7 जुलाई तक रोजाना बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 6 और 7 जुलाई को दिल्ली में तेज बारिश होने की संभावना है।

असम में बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 179 लोगों की मौत

असम में बाढ़ से 26 जिले प्रभावित हुए हैं। इनमें बाजाली, बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, चिरांग, दरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, दीमा हसाओ, गोलपारा, गोलाघाट, हैलाकांडी, होजई, कामरूप, नगांव, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव के लगभग 1618 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए। वहीं, कुल 47198.87 हेक्टेयर फसल भूमि को नुकसान पहुंचा है। पिछले 24 घंटों में राज्य में पांच और लोगों की मौत हुई है। इसके साथ इस साल बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 179 हो गई है। जहां नगांव में दो मौतें हुईं, वहीं करीमगंज, लखीमपुर और शिवसागर जिलों में एक-एक मौत हुई। राज्य के 12 जिलों में 5 लाख घरेलू पशुओं और मुर्गी पालन पर भी असर पढ़ा है।

नौसेना में महिलाओं का अग्निपथ : 3 दिन में 10 हजार महिलाओं ने करवाया रजिस्ट्रेशन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पोर्टल खुलने के 3 दिनों के भीतर लगभग 10 हजार महिलाओं ने अग्निवीर बनने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इंडियन नेवी ने 1 जुलाई को अग्निपथ भर्ती योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू किया था। यह पहला मौका है, जब भारतीय नौसेना महिलाओं को नौ सैनिकों के रूप में भर्ती करने जा रही है। इन्हें ऑपरेशनल रिक्वॉयरमेंट्स के अनुसार युद्धपोतों पर भी तैनात किया जाएगा। भारतीय नौसेना ने 1 जुलाई से केवल रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू किया है। इसके बाद भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 जुलाई से 30 जुलाई तक शुरू करेगी।

21 नवंबर से शुरू होगी अग्निवीरों की ट्रेनिंग

नौसेना 21 नवंबर को भारतीय नौसेना के नाविकों के लिए प्रमुख बेसिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईएनएस चिल्का में व्यवस्था कर रही है। जहां महिला नाविकों की ट्रेनिंग की भी सुविधा होगी।

नौसेना के अधिकारियों के मुताबिक नौसेना में अग्निपथ योजना जेंडर बायस्ड होगी। मौजूदा वक्त में 30 महिला अधिकारी बोर्ड फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर सेलिंग कर रही हैं।

5 जुलाई को बंद हो जाएगा इंडियन एयरफोर्स में रजिस्ट्रेशन

इंडियन एयरफोर्स ने ट्विटर पर कहा कि अग्निपथ योजना के तहत 29 जून तक 2,01,648 आवेदन मिले। रजिस्ट्रेशन 5 जुलाई 2022 को बंद हो जाएगा। एयरफोर्स की ओर से बताया गया कि स्कीम के तहत 24 जून से रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू हुई थी। 26 जून तक यानी सिर्फ 3 दिनों में 56,960 आवेदन मिले, वहीं 27 जून यानी सोमवार तक 94,281 आवेदन प्राप्त हुए।

1990 से सेना में शुरू हुई महिलाओं की भर्ती

महिलाओं को भारत के 14 लाख की संख्या वाले मजबूत सैन्य बल में सशस्त्र बल 1990 के दशक से शामिल किया जा रहा है, लेकिन केवल अधिकारी रैंक पर। भारतीय सेना द्वारा पहली बार अन्य रैंकों में महिलाओं की भर्ती का यह बदलाव 2019-20 में शुरू किया गया था। इसके परिणामस्वरूप, 100 महिला जवान वर्तमान में कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस (सीएमपी) हैं।

तीनों सेनाओं में अग्निवीर आवेदन की लास्ट डेट्स

भारतीय वायु सेना 5 जुलाई को अग्निवीरों के रजिस्ट्रेशन को बंद कर देगी। जबकि नौसेना के लिए अग्निवीरों के 1 जुलाई से केवल रजिस्ट्रेशन शुरू किया है, 15 जुलाई से विस्तृत आवेदन किए जा सकेंगे। भारतीय थल सेना में 1 जुलाई से शुरू हुए रजिस्ट्रेशन कब तक चलेंगे इस बारे में अभी आखिरी तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

मूसेवाला हत्याकांड : स्पेशल सेल ने तीसरे शूटर को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सुप्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में शामिल तीसरे शूटर को भी गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि तीसरे शूटर की पहचान अंकित सिरसा के रूप में हुई है, जिसे मूसेवाला की हत्या का काम सौंपा गया था। पुलिस ने सिरसा के सहयोगी सचिन भिवानी को भी गिरफ्तार किया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रविवार को दिल्ली के कश्मीरी गेट आईएसबीटी से अंकित को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने कहा, मास्टरमाइंड को पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक साजिश के बारे में पता लगाने के बाद स्पेशल सेल की प्राथमिकता उन्हें पकड़ना था, जिसने गोली चलाई थी और सिद्धू को मारा था।

काफी मशक्कत के बाद 19 जून को पहले शूटर को गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने कहा, हमारी टीम आरोपी तक पहुंचने के लिए मध्य प्रदेश, झारखंड, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित छह राज्यों में सक्रिय थी।

अधिकारियों के अनुसार, अंकित पंजाबी गायक की हत्या में शामिल शूटरों में से एक था, जबकि सचिन चार निशानेबाजों को शरण देने के लिए जिम्मेदार था।

पत्नी के कंधे पर बैठकर जुलूस निकाला, अफेयर की सजा

देवास। मध्यप्रदेश के देवास में पत्नी के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर पति ने निर्ममता की हद पार कर दी। पहले तो उसने पत्नी को बुरी तरह पीटा, उसके बाल खींचे, जमीन पर भी पटका। इतने से मन नहीं भरा तो पत्नी के कंधे पर बैठकर गांव भर में जुलूस निकाला। पत्नी को जूतों की माला भी पहनाई।

महिला के तीन बच्चे हैं। वो पिछले एक हफ्ते से अपने पुरुष दोस्त के साथ रह रही थी। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई की है। देवास के एडिशनल स्क्क सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पति समेत 11 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

घटना देवास जिले के पुंजापुरा के बोरपड़ाव गांव में एक दिन पहले की है। इसका ङ्क्षढ्डश्चह्व अब सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला 1 हफ्ते पहले घर से लापता हो गई थी। पति और ससुराल वालों ने उसे खूब ढूंढा। नहीं मिली तो उदयनगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। रविवार को पति को किसी से जानकारी दी कि उसकी पत्नी गांव में ही अपने प्रेमी के घर पर है। इसके बाद पति और ससुराल के लोग उसे तलाशते हुए प्रेमी के घर पहुंचे। वहां महिला पेटी में छिपी हुई मिली। आरोपियों ने उसे बाहर निकाला और पूरे गांव के सामने जमकर पीटा। सिर्फ एक-दो लोगों को छोड़ दें तो ज्यादातर लोग तमाशबीन बने रहे।

पुलिस ने अब महिला को उसके मायके भेज दिया है। इस महिला की महज 15 साल की उम्र में शादी हो गई थी। 30 साल की महिला की दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी 13 साल और छोटी 10 साल की है। बेटे की उम्र 8 साल है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले बच्चों ने अपनी मां को उसके प्रेमी के साथ देख लिया था। यह बात उन्होंने अपने पिता को बता दी। इस पर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था। इसके बाद ही महिला घर छोड़कर चली गई थी।

सर्विस चार्ज

सेंट्रल एजेंसी ने लगाई रोक; हेल्पलाइन नंबर 1915 पर कर सकते हैं शिकायत

होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से नहीं वसूल सकते सर्विस चार्ज

नई दिल्ली। होटल और रेस्टोरेंट अब ग्राहकों से सर्विस चार्ज नहीं वसूल सकेंगे। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने इस पर रोक लगा दी है। CCPA ने अपने आदेश में कहा है कि बिल में सर्विस चार्ज ऑटोमैटिक या बाई डिफाल्ट नहीं वसूला जा सकता। न ही इसके लिए कंज्यूमर पर दबाव डाला जा सकता है। यह कंज्यूमर की मर्जी पर निर्भर करता है कि वह सर्विस चार्ज दे या नहीं।

सर्विस चार्ज वसूले जाने पर कंज्यूमर नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर 1915 पर शिकायत कर सकते हैं। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने करीब एक महीने पहले नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ हुई बैठक में सर्विस चार्ज नहीं वसूलने को लेकर सख्त निर्देश जारी किया था।

CCPA ने सर्विस चार्ज को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार दिया है। कंज्यूमर अफेयर मिनिस्ट्री के अनुसार होटल और रेस्टोरेंट में दिए जाने वाले खाने की कीमत में फूड और सर्विस पहले से ही शामिल होते हैं। ग्राहक डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के पास भी शिकायत कर सकते हैं। जांच के बाद शिकायत को CCPA के पास भेजा जा सकता है।

सबसे पहले समझें, सर्विस चार्ज क्या होता है?

जब आप किसी प्रोडक्ट या सर्विस को खरीदते हैं तो उसके लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं। इसे ही सर्विस चार्ज कहते हैं।

यानी होटल या रेस्टोरेंट में खाना परोसने और दूसरी सेवाओं के लिए ग्राहक से सर्विस चार्ज लिया जाता है। ग्राहक भी होटल या रेस्टोरेंट से बिना सवाल-जवाब किए सर्विस चार्ज के साथ पेमेंट कर देते हैं। हालांकि ये चार्ज ट्रांजैक्शन के समय ही लिया जाता है, न की सर्विस लेते वक्त।

बिल का कुछ प्रतिशत वसूला जाता है सर्विस चार्ज

सर्विस चार्ज आपके होटल या रेस्टोरेंट के बिल में सबसे नीचे लिखा होता है।

ये आमतौर पर आपके बिल का कुछ प्रतिशत हो सकता है। ज्यादातर ये 5 प्रतिशत रहता है। यानी, आपका बिल अगर 1,000 रुपए का हुआ है तो ये 5 प्रतिशत सर्विस चार्ज 1,050 रुपए हो जाएगा।

शार्ट न्यूज

कश्मीर में बुधवार से बारिश के आसार

श्रीनगर। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में कश्मीर मंडल में हल्की बारिश और जम्मू मंडल में हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान जताया है। मौसम की जानकारी देने वाली कश्मीर वेदर नामक स्वतंत्र इकाई ने हालांकि कहा है कि अगले 48 घंटे में कश्मीर क्षेत्र में मौसम मुख्य तौर पर शुष्क रहेगा। एक या दो जगहों पर हालांकि बहुत हल्की बारिश हो सकती हैं। कश्मीर वेदर ने कहा है कि बुधवार और गुरुवार को अधिकतर स्थानों पर रुक-रुक कर वर्षा होने का अनुमान है। इससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है क्योंकि इस बारिश से अधिकतम तापमान में गिरावट आने का अनुमान है। श्रीनगर में सोमवार को गर्मी के साथ आर्द्र वातावरण रहा। इसके साथ ही यहां आंशिक रूप से बादल भी छाये रहे। यहां अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। यहां न्यूनतम तापमान सोमवार को 23.6 डिग्री रहा जो सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान सामान्य से 5-7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पर्यटक रिसॉर्ट पहलगाम में तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 6.8 डिग्री ऊपर है। कुकेरनाग में 19.8, गुलमर्ग में 13.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

कुपवाड़ा में सड़क दुर्घटना में दो की मौत

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सोमवार को मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल को लोलाब क्षेत्र के रेदनाग में एक वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनों लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। दोनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान आदिल अहमद शाह और रशीद अहमद शाह के रुप में हुई है। दोनों बाबा हयातपोरा लोलाब के निवासी थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जियो कंपनी के टावरों से बैटरी चुराने के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में जियो कंपनी के मोबाइल टावर की बैटरी चुराने के मामले का पुलिस ने सोमवार तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 बैटरी बरामद की हैं। अल्मोड़ा पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार सोमेश्वर के भेटुली ताकुला, काटली और लमगड़ा ब्लाक के छणोंजा से जियो कंपनी के टावरों से अज्ञात लोगों द्वारा 12 बैटरी चोरी की अलग-अलग सूचना मिली थी। कंपनी की ओर से इस संबंध में सोमेश्वर और लमगड़ा थाना में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक संयुक्त टीम का गठन कर जांच शुरू की। पुलिस ने आज इस मामले में तीन आरोपियों शिवम मौर्या, उमेश गुप्ता और दिलीप कश्यप को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि चोरी का मास्टर माइंड कंपनी का टावर लगाने वाला शिवम आर्य था। आरोपी को टावरों के बारे में जानकारी थी और वह देर रात को बैटरियों की चोरी कर लेता था और सोमेश्वर के पातली बगड़ में एक खंडहर मकान में छिपा देता था। आज कुछ बैटरियों को बेचने के लिये उसने उमेश गुप्ता और दिलीप कश्यप को अल्मोड़ा बुलाया था। इससे पहले ही पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उप महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी है।

अगरतला-अखौरा के बीच एक साल के अंदर बिछेगा रेलवे लाइन पंकज चौधरी

अगरतला। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि रेल मंत्रालय बंगलादेश को जोड़ने के लिए अगरतला-अखौरा रेलवे लाइन के 15 किलोमीटर लंबी लाइन बिछाने के काम को एक साल के भीतर पूरा करने के लिए मिशन मोड में काम कर रहा है। श्री चौधरी वर्तमान में त्रिपुरा के दो दिवसीय दौरे पर हैं। श्री चौधरी ने यहां चल रहे काम का निरीक्षण किया और रविवार को भारत-बंगलादेश सीमा पर निश्चिंतपुर में अंतरराष्ट्रीय आव्रजन स्टेशन और रेलवे यार्ड का दौरा किया और इसके बाद रेलवे अधिकारियों और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत की। रेलवे द्वारा अगरतला को बंगलादेश में अखौरा से जोड़ने वाले 15.054 किलोमीटर के हिस्से में ट्रैक-बिछाने का काम मार्च 2019 तक पूरा होने वाला था, लेकिन अब तक इसमें तीन साल से अधिक की देरी हो चुकी है। इस परियोजना के तहत पांच किमी का विस्तार भारत की ओर है और शेष बंगलादेश में है, बंगलादेश के हिस्से सहित कुल निर्माण का खर्च हालांकि भारत द्वारा वहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इरकॉन के माध्यम से भारत सरकार द्वारा निर्मित अगरतला-अखौरा रेलवे लाइन पूरी होने पर त्रिपुरा और कोलकाता के बीच यात्रा समय को हो जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद, यह पूरे पूर्वोत्तर के लिए एक प्रवेश द्वार होगा, जो पूरे एशियाई क्षेत्र के लिए बड़े व्यापारिक अवसरों की सुविधा प्रदान करेगा।

पर्यटकों की कार खाई में जा गिरी, चार लोग घायल

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में सोमवार को एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने से चार पर्यटक घायल हो गये। जिनमें से दो लोगों की हालत गंभीर हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के नगीना बिजनौर निवासी आदिल, दीगर, आसिफ और कल्लू नैनीताल घूमने के लिये आये चारों युवक हल्द्वानी के रास्ते वापस लौट रहे थे। नैनीताल से दस किमी दूर बल्दियाखान के पास उनकी अर्टिका कार अनियंत्रित होकर 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। उन्होंने बताया कि गनीमत रही कि भीषण दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना मिलते ही तल्लीताल थाने से मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को खाई से बाहर निकाल कर नैनीताल बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल दो युवकों को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेज दिया है।

हरियाणा में एचआईवी पीड़ितों को रेडियोलोजी जांच सुविधा निशुल्क

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में एचआईवी पीड़ितों सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत रेडियोलॉजी जांच जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क प्रदान करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस आशय के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस स्वीकृति के उपरांत अब एचआईवी पीड़ितों को पीपीपी मोड के तहत सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध कराई जा रही यूएसजी, सीटी स्कैन और एमआरआई सहित सभी प्रयोगशाला जांच एवं रेडियोलोजी जांच की सुविधा भी निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। एचआईवी पीड़ितों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए उन्हें राज्य की उन सात श्रेणियों में शामिल किया गया है जिन्हें पीपीपी मोड के तहत विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं। इन श्रेणियों में राज्य के बीपीएल एवं शहरी मलिन बस्तियों के मरीज, राज्य सरकार से निशक्तता भत्ता प्राप्त कर रहे मरीज, किसी भी निशुल्क श्रेणी में नहीं आने वाले मरीज, अनुसूचित जाति श्रेणी के मरीज, हरियाणा सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीज, सड़क दुर्घटना के शिकार लावारिस व्यक्ति और राज्य सरकार के कर्मचारी, पेंशनभोगी और उनके आश्रित शामिल हैं।

मनोहर ने कुल्लू बस हादसे पर जताया दुख

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की सैंज घाटी में हुए बस हादसे में अनेक यात्रियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री मनोहर लाल ने ट्वीट कर कहा कि कई लोगों की मौत के समाचार से मन विचलित हो उठा। दुख की इस घड़ी में पूरा प्रदेश शोकाकुल परिजनों के साथ है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक निजी बस हादसे का शिकार हो गई जिसमें कई लोगों की मौत हो गई।

ममता बनर्जी ने फिर से उठाई मांग

नूपुर शर्मा को गिरफ्तार करो, आप आग से नहीं खेल सकते

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बार फिर से मांग की कि नूपुर शर्मा को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि आखिर अब तक नूपुर शर्मा को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार क्यों नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से जुड़ा विवाद भाजपा की ओर से रची गई साजिश का नतीजा है, जिसके तहत वह देश के लोगों को बांटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक साजिश है- भाजपा की एक नफरत भरी नहीं है और लोगों में विभाजन कराने की पॉलिसी है। नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग करते हुए

ममता बनर्जी ने कहा कि आप आग से नहीं खेल सकते हैं।

ममता बनर्जी ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि हम विभाजनकारी राजनीति में यकीन नहीं करते। हम हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध सभी लोगों के लिए हैं। ममता बनर्जी की ओर से नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग ऐसे समय में की गई है, जब कुछ दिन पहले ही कोलकाता पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। यही नहीं कोलकाता पुलिस ने नूपुर शर्मा को नोटिस जारी कर पूछताछ में शामिल होने के लिए भी कहा था। कोलकाता के अलग-अलग थानों में नूपुर शर्मा पर दो केस दर्ज किए गए हैं। दोनों थानों की पुलिस ने नूपुर शर्मा को पूछताछ के लिए 20 और 25 जून को बुलाया गया था।

नूपुर शर्मा ने नोटिसों के जवाब में कहा था कि यात्रा करने पर उनकी जान को खतरा है। ऐसे में वह पूछताछ के लिए कोलकाता नहीं आ सकती हैं। बता दें कि नूपुर शर्मा ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि देश के अलग-अलग हिस्सों में उनके खिलाफ दर्ज केसों को दिल्ली ट्रांसफर कर दिया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल करने को कहा था। इसके साथ ही उन्हें फटकार लगाते हुए जस्टिस परदीवाला और जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि उनके एक बयान के चलते देश में आग लग गई और उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या भी उनके चलते ही हुई थी।

द्रौपदी मुर्मू नौ जुलाई को करेंगी सिक्किम का दौरा

गंगटोक। राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू अपने चुनाव अभियान के एक हिस्से के रूप में नौ जुलाई को यहां का दौरा करेंगी। इस दौरान वह विधायकों व सांसदों से मुलाकात करेंगे ताकि मतदान के समय वोट उनके पक्ष में डाले जाए।

सिक्किम में कोई मनोनीत प्रतिनिधि नहीं होने के कारण विधानसभा के सभी 32 सदस्यों द्वारा उन्हें वोट देने का अनुमान है, क्योंकि सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी (एसकेएम), प्रदेश भारतीय जनता पार्टी और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रन्ट (एसडीएफ) पार्टी के द्वारा पहले ही आश्वासन दिया जा चुका है।

सिक्किम विधानसभा में एसकेएम के 19, भाजपा के 12 और एसडीएफ के एक विधायक हैं, यानी कुल मिलाकर 32 विधायक और दो सांसद हैं, जिन्हें 18 जुलाई को मतदान का बेसब्री से इंतजार है।

प्रदेश भाजपा के महासचिव भरत दुलाल को सुश्री मुर्मू की यात्रा के लिए समन्वयक के रूप में नामित किया गया है। इससे पहले वह बिहार का दौरा करेंगी।

सरकार आदिवासी समुदाय के लिए कर रही है काम : मोदी

भीमावरम, (आंध्र प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए अनवरत प्रयासरत है। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती समारोह के शुभारंभ के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमारा नया भारत इनके (स्वतंत्रता सेनानियों के) सपनों का भारत होना चाहिए। एक ऐसा भारत- जिसमें गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़ा, आदिवासी सबके लिए समान अवसर हों।

श्री मोदी ने कहा, स्किल इंडिया मिशन के जरिए आज आदिवासी कला-कौशल को नयी पहचान मिल रही है। 'वोकल फॉर लोकल' आदिवासी कला कौशल को आय का साधन बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा

कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार देश में जनजातीय गौरव और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए आदिवासी संग्रहालयों की स्थापना की जा रही है। 'अल्लूरी सीताराम राजू मेमोरियल ट्राइबल फ्रीडम फाइटर्स म्यूजियम' आंध्र प्रदेश के लांबासिंगी में बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी हुकूमत ने आदिवासी समुदाय पर सबसे अधिक अत्याचार किए और उनकी संस्कृति को भी नष्ट करने का प्रयास किया।

तेलंगाना में अगले चार दिनों में भारी वर्षा के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान भारी वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, निजामाबाद और जगत्याल जिलों में भी मंगलवार को वर्षा होने के अनुमान हैं और बुधवार को यादाद्री भुवनागिरी, रंगारेड्डी, आदिलाबाद, मेडचल मलकाजगिरी सहित अन्य जिलों के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने बताया कि आदिलाबाद, सहित अन्य जिलों में गुरुवार को बारिश होने का अनुमान है।

मद्रास हाई कोर्ट ने अन्नाद्रमुक की आम परिषद बैठक पर रोक लगाने से किया इन्कार

एजेंसी

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को अन्नाद्रमुक को 11 जुलाई को पार्टी की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था जनरल काउंसिल (जीसी) की बैठक आयोजित करने से रोकने से इनकार कर दिया।

इस आम परिषद में तिरुपुर से अन्नाद्रमुक सदस्य और ओ पनीरसेल्वम के समर्थक एम षणमुगम ने अवमानना याचिका दायर कर इस बैठक का विरोध किया था। उन्होंने एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एकात्मक नेतृत्व को बहाल करने के लिए कदम उठाने और उनके नेतृत्व में दोहरे नेतृत्व को जारी रखने का समर्थन किया था।

न्यायमूर्ति एम दुरईस्वामी और न्यायमूर्ति सुंदर की एक खंडपीठ मोहन

ने कहा कि 23 जून को उनके द्वारा पारित आदेश केवल जीसी की बैठक के संबंध में था जिसमें कहा गया था कि वह 11 जुलाई को अन्नाद्रमुक को अपनी निर्धारित बैठक बुलाने से रोकने पर कोई फैसला नहीं ले सकती है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह कर सकता है 11 जुलाई की बैठक को रोकने के लिए एकल न्यायाधीश से संपर्क करें। पलानीस्वामी और अन्य के खिलाफ हालांकि उनके द्वारा पारित 23 जून के आदेशों का उल्लंघन करने के लिए अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए श्री षनमुगम की याचिका पर पीठ ने श्री पलानीस्वामी के वकील को सात जुलाई (गुरुवार) तक अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया। पीठ ने मामले की आगे की सुनवाई एक दिन बाद करने को कहा है।

इससे पहले 30 जून को हुई सुनवाई के दौरान पीठ ने 11 जुलाई की जीसी बैठक के मुद्दे पर जाने से इनकार करते हुए, केवल अन्नाद्रमुक के संयुक्त समन्वयक श्री पलानीस्वम और उनके गुट के खिलाफ दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की थी। गत 23 जून को हुई जीसी बैठक में औपचारिक रूप से तमिल मगन हुसैन को पार्टी प्रेसीडियम के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के लिए एक प्रस्ताव पारित करने के लिए अवमानना याचिका दायर की गई थी।

उन्नतीस आईएएस और सोलह आईपीएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर। राजस्थान सरकार ने आज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के उन्नतीस एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सोलह अधिकारियों के आज स्थानांतरण एवं पदस्थापन्न कर दिया।

कार्मिक विभाग के अनुसार आईएएस डा वीना प्रधान को आयुक्त विभागीय जांच विभाग जयपुर, कैलाश चंद मीणा को संभागीय आयुक्त जोधपुर, डा प्रतिभा सिंह को निदेशक पंचायती राज जयपुर, विजय पाल सिंह को प्रबंध निदेशक राजस्थान पर्यटन विकास निगम, कुमारी रेनू जयपाल को आयुक्त महिला अधिकारिता विभाग जयपुर, रश्मि गुप्ता को निदेशक जल ग्रहण

विकास और भू संरक्षण विभाग जयपुर, विश्राम मीणा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयपुर स्मार्ट सिटी एवं आयुक्त नगर निगम हेरिटेज जयपुर एवं प्रकाश राजपुरोहित को जिला कलेक्टर जयपुर लगाया गया हैं। इसी तरह आईएएस जितेंद्र कुमार सोनी को जिला कलेक्टर अलवर, विश्व मोहन शर्मा को संयुक्त शासन सचिव राजस्व विभाग, नकाते शिवप्रसाद मदन को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको) एवं पदेन आयुक्त दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर जयपुर, संदेश नायक को निदेशक स्वच्छ भारत मिशन जयपुर, अनिल अग्रवाल को जिला कलेक्टर धौलपुर, ओम प्रकाश कसेरा को आयुक्त (विनियोजन एं अप्रवासी भारतीय) निवेश संवर्धन ब्यूरो राजस्थान जयपुर, आशीष गुप्ता को आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग एवं प्रबंध निदेक राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड जयपुर एवं डा प्रदीप के गवांडे को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य खान एवं खनिज निगम लिमिटेड एवं निदेशक पेट्रोलियम उदयपुर लगाया गया हैं।

बस स्टैंड, एसडीएम कार्यालय पर लगाए खालिस्तानी पोस्टर

डेरा बाबा नानक। पंजाब के सीमावर्ती शहर डेरा बाबा नानक बस स्टैंड और उप जिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय पर सोमवार को देश विरोधी पोस्टर लगे हुए मिले।

खालिस्तान जिंदाबाद और हिंदुस्तान मुर्दाबाद लिखे इन पोस्टरों को पुलिस ने तुरंत हटा दिया है। यह पोस्टर हाथ से लिखे हुए थे। यह पहली बार है कि देश के खिलाफ मुर्दाबाद लिखा गया हो। अभी तक खालिस्तान जिंदाबाद के ही पोस्टर लगाए जाते थे।

डेरा बाबा नानक के जिस इलाके में यह पोस्टर लगे हैं, वह सीमावर्ती क्षेत्र है। यह क्षेत्र पाकिस्तानी सीमा से सटा हुआ है। यहां से पाकिस्तान के लिए करतारपुर कॉरिडोर भी है। ऐसे में पुलिस में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गई है ताकि कहीं से भी कोई सुराग हाथ लग सके।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी फरीदकोट में दो बार खालिस्तानी पोस्टर लगाए जा चुके हैं। इसके बाद फिरोजपुर में डीआरएम ऑफिस के बाहर पोस्टर लगाए थे।

सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए निकाली जागरूकता रैली

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नगर निगम हैरिटेज द्वारा आज सिंगल यूज प्लास्टिक को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने के लिए सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च एवं हनीमन चेरीटेबल मिशन सोसाईटी के सहयोग से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली को नगर निगम जयपुर हैरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर एवं आयुक्त अवधेश मीना ने हरी झण्डी दिखाकर हैरिटेज परिसर से रवाना किया।

महापौर श्रीमति गुर्जर एंव आयुक्त श्री मीना ने रैली का नेतृत्व करते हुए संदेश दिया कि सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकना हम सब का लक्ष्य है और इसी उद्देश्य को लेकर स्वंय सेवी संस्थाओं का सहयोग लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आयुक्त श्री मीना ने कहा कि हम सब का प्रयास है कि सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम करना एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के एक जुलाई, 2022 से उत्पादन, विक्रय, भण्डारण एवं उपयोग करने आदि पर रोक लग चुकी है, जो सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रय या उपयोग करेगा उस पर निगम कार्यवाही करेगा।

रैली में सैकड़ों महिलाओं ने बड़ी चौपड़, किशनपोल बाजार, चौड़ा रास्ता, बापू बाजार, जौहरी बाजार होते हुए वापस निगम हैरिटेज में संपन्न की।

बारिश प्रभावित गावों का चौटाला ने लिया जायजा

सिरसा। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ-साथ हर वर्ग की उन्नति के लिए संवेदनशील है। राज्य सरकार से शीघ्र बातचीत कर बरसात से नष्ट हुई फसल की क्षति पूर्ति करवाई जाएगी। चौटाला सोमवार को सिरसा जिले के गांव बणी और नथौर में बरसात से नष्ट हुई फसलों और गांव में आवासीय क्षेत्रों को हुए नुकसान का जायजा लेने के बाद ग्रामीणों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की उन्नति के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अमल में ला रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

उच्च न्यायालय में डेरा प्रमुख की असली नकली की याचिका खारिज

सिरसा। पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय ने सोमवार को हरियाणा के सिरसा में स्थित डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहिम सिंह को नकली बताने वाली याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ताओं को फटकार लगाई है।

न्यायाधीश कर्मजीत सिंह ने आज मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह कोई फिल्म नहीं चल रही है। उच्च न्यायालय ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि लगता है कि आपने कोई फिक्शनल फिल्म देख ली

है। पैरोल पर आया राम रहीम कैसे गायब हो सकता है। उन्होंने याचिकाकर्ता फटकार लगाते हुए

याचिका खारिज कर दी।

चंडीगढ़, पंचकूला और अंबाला के कुछ तथाकथित डेरा श्रद्धालुओं ने उच्च न्यायालय में यह याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं याचिका में संदेह जताया है कि उत्तर प्रदेश के बागपत आश्रम में पहुंचा गुरमीत राम रहीम बहुरू पिया है, असली नहीं। और उनके हावभाव असली गुरु गुरमीत राम रहीम सिंह जैसे नहीं हैं।

वहीं डेरा सच्चा सौदा प्रबंधन ने इसे श्रद्धालुओं को गुमराह करने की साजिश करार दिया है। डेरा सच्चा सौदा के प्रवक्ता जितेंद्र कुमार ने कहा कि याचिका दायर करने वाले डेरा के अनुयायी नहीं हैं। डेरे के अनुयायियों को तो गुरू जी पर पूरा भरोसा हैं। यह सब शरारती तत्वों की ओर से की गहरी साजिश है। प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह के नक ली होने के आरोप निराधार हैं। वह उत्तर प्रदेश के बरनावा आश्रम में हैं। उन्होंने बताया कि करीब आठ माह पहले भी इन्ही लोगों ने डेरा प्रमुख की जान को खतरा बताते हुए याचिका दायर की थी।

प्रथम चरण में 49 जिलों के 133 नगरीय निकाय में 6 जुलाई को मतदान

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नगरीय निकाय निर्वाचन-2022 में प्रथम चरण में 6 जुलाई को 49 जिलों के 133 नगरीय निकाय में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा।

मतगणना 17 जुलाई को प्रात: 9 बजे से होगी। कुल 13 हजार 148 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। दूसरे चरण का मतदान 13 जुलाई को होगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने बताया है कि प्रथम चरण में 11 नगरपालिक निगम, 36 नगरपालिका परिषद और 86 नगर परिषद में मतदान होगा। मतदान ई.व्ही.एम. से होगा। ई.व्ही.एम. में महापौर के लिए सफेद, नगरपालिक निगम पार्षद के लिए गुलाबी, नगरपालिका परिषद पार्षद के लिए पीला और नगर परिषद पार्षद के लिए नीले रंग का मतपत्र लगाया जाएगा। मतदाता को आयोग द्वारा निहित 20 पहचान-पत्रों में से कोई एक

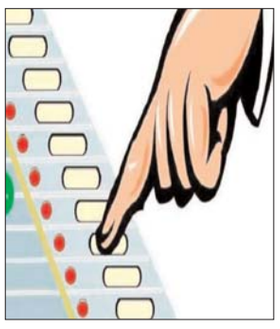

पहचान-पत्र मतदान के लिए साथ में लाना अनिवार्य है। नगरपालिक निगम में महापौर एवं पार्षद के निर्वाचन के लिए नोटा सहित 15 या 15 से कम अभ्यर्थी होने पर एक कंट्रोल यूनिट एवं 2 बैलेट यूनिट का उपयोग किया जाएगा।

किसी भी पद के लिए 15 से अधिक अभ्यर्थी होने पर एक अतिरिक्त बैलेट यूनिट लगाई जाएगी। नगर पालिका और नगर परिषदों में 15 या 15 से कम अभ्यार्थी होने पर एक कंट्रोल और एक बैलेट यूनिट तथा 15 से अधिक अभ्यर्थी होने पर एक अतिरिक्त बैलेट यूनिट लगाई जाएगी।

आयुक्त ने बताया है कि 6 जुलाई को नगरपालिक निगम भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, खंडवा, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, उज्जैन, सागर, सिंगरौली और सतना में मतदान होगा। इसी दिन नगरपालिका परिषद राजगढ़, ब्यावरा, सीहोर, विदिशा, गंजबासौदा, डबरा, गुना, अशोकनगर, दतिया, पनागर, सिहोरा, अमरवाड़ा, सिवनी, वारासिवनी, नरसिंहपुर, करेली, गोटेगाँव, गाडरवारा, बड़नगर, नीमच, शाजापुर, मंदसौर, मकरोनिया बुजुर्ग, रहली, छतरपुर, दमोह, पन्ना, इटारसी, बैतूल, आमला, हरदा, उमरिया, लहार, श्योपुर, पोरसा और अंबाह में मतदान होगा।

नगर परिषद खुजनेर, सुठालिया, सिलवानी, बाड़ी, बरेली, बेटमा, देपालपुर, गौतमपुरा, हातोद, महुगाँव, मानपुरा, राउ, सांवेर, बदनावर, शाहपुर, आंतरी, भितरवार, बिलौआ, पिछोर, मोहना, बदरवास, खनियाधाना, रन्नौद, शाढौरा, बड़ौनीखुर्द, बरेला, भेड़ाघाट, बरघाट, तेंदूखेड़ा, साईखेड़ा, चिचली, सालीचौका, विजयराघवगढ़, कैमोर, जीरन, आलोट, ताल, मक्सी, बडोद, नगरी, बागली, करनावद, हाटपिपल्या, कन्नौद, सतवास, लोहारदा, काटाफोड़, खातेगाँव, नेमावर, शाहपुर, बिलहरा, सुरखी, खजुराहो, राजनगर, हरपालपुर, पथरिया, हिंडोरिया, बल्देवगढ़, खरगापुर, निवाड़ी, तरीचरकला, ओरछा, ककरहटी, अजयगढ़, देवेन्द्रनगर, हनुमना, मउगंज, नईगढ़ी, चित्रकूट, उचेहरा, जैतवारा, कोठी, बिरसिंहपुर, सोहागपुर, शाहपुर, खिरकिया, टिमरनी, सिराली, नौरोजाबाद, चंदिया, अमरकंटक, मिहोना, आलमपुर, दबोह, रौन और बड़ौदा नगर परिषद में 6 जुलाई को मतदान होगा।

राहुल की छवि खराब करने वाले रहें परिणाम भुगतने को तैयार : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि उसके शीर्ष नेतृत्व और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की छवि खराब करने का जो भी प्रयास करेगा उसे परिणाम भुगतने को भी तैयार रहना होगा।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा तथा सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल सामाजिक सुरक्षा के लिए होना चाहिए लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेता इस मीडिया का इस्तेमाल घृणा, नफरत और झूठ फैलाकर देश का माहौल बिगाड़ने के लिए कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ झूठ को बढ़ावा देते हैं और सोशल मीडिया पर श्री गांधी की छवि खराब करने वाले फर्जी वीडियो को बिना जांच पड़ताल के अग्रसारित करते हैं। इसी तरह का झूठ भाजपा के सांसद और विधायक भी फैला रहे हैं और श्री गांधी के खिलाफ सुनियोजित षडयंत्र कर रहे है। कांग्रेस प्रवक्ताओं ने कहा कि उनकी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ भाजपा लंबे समय से झूठ फैलाने का काम कर रही है और उनकी छवि खराब कर उनको बदनाम करने का प्रयास कर रही है लेकिन कांग्रेस सत्याग्रह के माध्यम से इसका विरोध करती रहेगी और हमेशा अपने नेता के साथ खड़ी रहेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि फर्जी खबर फैलाने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ छह जगह शिकायत और एक जगह प्राथमिकी दर्ज की गई है।

शार्ट न्यूज

थाना सेक्टर 49 पुलिस ने घरों मे चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 49 पुलिस ने घरों मे चोरी करने वाले दो अभियुक्तों अक्षय पुत्र आशोक हलदर निवासी ग्राम फरक्का थाना फरक्का जिला मुर्शिदाबाद हाल पता निक्की भैया का मकान ग्राम मोरना थाना सैक्टर 24 नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर,रोशन पुत्र जीरेन निवासी ग्राम रेड़वा थाना कमण्करा जिला गुमला झारखण्ड हाल पता मुकेश का मकान ग्राम मोरना थाना सैक्टर 24 नोएडा गौतबुद्धनगर को सलारपुर मार्केट सैक्टर 101 नोएडा से रविवार को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी किये गये दो मोबाईल फोन और 4000 रुपये नगद बरामद किए हैं।अभियुक्तगण शातिर किस्म के चोर हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित 10,000 रुपये का इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 49 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित दस हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त कृष्णनागर पुत्र नत्थुराम निवासी ग्राम नवादा जिला फरीदाबाद हरियाणा को ग्राम नवादा जिला फरीदाबाद हरियाणा से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।उपरोक्त अभियुक्त थाना एक्सप्रेस वे गौतमबुद्धनगर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 30/2021 धारा 2/3 गैगस्टर अधिनियम में 10 फ32021 से वाछिंत चल रहा था।जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस उपायुक्त नोएडा जोन द्वारा 10000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर कस्टोडियन भूमि पर अवैध कब्जा करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर कस्टोडियन भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले वांछित अभियुक्त साबिरअली पुत्र वहीद निवासी ग्राम कलौदा थाना जारचा जनपद गौतमबुद्धनगर को सोमवार को वीरपुरा झाल से गिरफ्तार कर लिया। उपरोक्त अभियुक्त थाना जारचा पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 339/2021 धारा 420, 467, 468, 471 भादवि के तहत वांछित चल रहा था।गौरतलब है कि 2 सितम्बर 2021 को उक्त मुकदमा के वादी द्वारा अभियुक्त भूपेन्द्र सिंह पुत्र हुकुम सिंह निवासी ग्राम चांदपुर जिला बुलन्दशहर आदि 16 व्यक्ति नामजद एवं अन्य के विरुद्ध फर्जी दस्तावेज तैयार कर कस्टोडियन भूमि पर अवैध कब्जा करने के सम्बन्ध मे पंजीकृत कराया गया था। बाद में विवेचना में वांछित अभियुक्त साबिर अली का नाम प्रकाश मे आया था। गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का जालसाज अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पर्यावरण बचाने और धरती को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

विवेक राय गौरवशाली भारत

नोयडा। लास्टिक जिस तरह से हमारी आम जन जीवन का हिस्सा बन चुका है जो लगातार हमारे पर्यावरण को नुक़सान पहुँचा रहा है चाहे वह धरती,आकाश या समुद्र का पानी ही क्यू ना हो। इसी दिशा में एक संयुक्त प्रयास इथोमार्ट चेरिटबल ट्रस्ट (ईएमसीटी) एवं शिवा साइकिल ने प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जिसमें ईएमसीटी की पाठशाला में ज़रूरतमंद बच्चों को प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकने के लिए जागरूक किया गया।ईएमसीटी की संस्थापक रश्मि पाण्डेय ने बताया की हमने बच्चों को प्लास्टिक रूपी अभिशाप के बारे में जागरूक किया और इसके इस्तेमाल से होने वाली अनगिनत बीमारियों के बारे में बच्चों को जागरूक किया गया। शिवा साइकिल की संस्थापक प्रियंका गुनी ने बताया की हमने बच्चों को जागरूकता अभियान में भोजन के दौरान प्लास्टिक का प्रयोग ना करने का संदेश दिया गया और बच्चों को ताजे गन्ने का जूस पिलाया गया जिसे बच्चों ने बहुत पसंद किया। ताजे गन्ने के वेंडर को बुला कर हमने रस के लिए प्लास्टिक मुक्त पेपर कप का उपयोग किया गया।

सीआईएसएफ एनटीपीसी दादरी में हुआ महिला उद्यमिता कार्यक्रम का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा। एनटीपीसी दादरी मे सोमवार को सीआईएसएफ की महिला समिति - संरक्षिका और लर्निंग लिंक्स फ़ाउंडेशन के समन्वय से महिला उद्यमिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती रमा देवी राव, अध्यक्ष - जागृति समाज, बीएस राव, सीजीएम दादरी, आरपी सिंह, कमांडेंट सीआईएसएफ एवं श्रीमती गीता सिंह, सीआईएसएफ संरक्षिका की एनटीपीसी दादरी इकाई की अध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम में उद्यमी महिलाओं के लिए वित्तीय योजना, व्यवसाय के लिए डिजिटल साक्षरता और जागरूकता विषय पर एक सत्र शामिल था जिसका संचालन लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन की सदस्य सुश्री जीना काज़मी, द्वारा किया गया। श्रीमती रमा देवी राव ने प्रतिभागियों को महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्री.बी एस राव, सीजीएम दादरी ने भी महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। यह कार्यक्रम 04 जुलाई से 11 जुलाई तक चलेगा जिसमे महिला सशक्तिकरण पर नियमित सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में जागृति समाज की वरिष्ठ सदस्य एवं एनटीपीसी दादरी में सीआईएसएफ की संरक्षिका इकाई के सदस्य उपस्थित थे।

दिल्ली में जोर बाग स्टेशन पर चलती मेट्रो के आगे कूदी अधेड़ महिला, टक्कर लगने से हुई मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में मेट्रो स्टेशन पर कथित तौर पर आत्महत्या के इरादे से चलती मेट्रो ट्रेन के सामने कूदने से सोमवार को एक महिला यात्री की मौत हो गई। यह घटना जोर बाग मेट्रो स्टेशन के येलो लाइन पर घटी। इसके कारण इस लाइन पर मेट्रो सेवाएं कुछ देर के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन हुडा सिटी सेंटर की ओर जा रही थी कि महिला प्लैटफॉर्म से कूद गई। उन्होंने बताया कि ट्रेन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि सलवार-कमीज पहने करीब 50 साल की एक अज्ञात महिला चलती मेट्रो ट्रेन के आगे कूद गई और उसके सिर में चोट आई। उन्होंने कहा कि महिला को तुरंत कैट्स एम्बुलेंस द्वारा सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। महिला के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि शव को शवगृह में रखवाया गया है और पहचान होने के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मेट्रो यात्रियों को सचेत करने के लिए दोपहर 11 बज कर करीब 20 मिनट पर ट्वीट किया, येलो लाइन अपडेट - जोर बाग में एक यात्री के ट्रैक पर कूद जाने के कारण केंद्रीय सचिवालय से ग्रीन पार्क तक सेवाओं में देरी हुई।

बिधूड़ी के आरोप के बाद आप सरकार फंसी गई शर्मनाक स्थिति में

स्कूल बंद करने के आरोप का खंडन करते हुए झूठे साबित हुए मनीष सिसोदिया

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की बैठक के दौरान सोमवार को उस समय आम आदमी पार्टी सरकार के लिए बड़ी ही शर्मनाक स्थिति पैदा हो गई जब नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लूडलो कैसल में शहीद अमीर चंद सर्वोदय विद्यालय को बंद करने का मामला उठाया।

आरोप लगने के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने स्कूल बंद करने के आरोप को झूठा ठहराने की कोशिश की तो आम आदमी पार्टी के ही विधायक प्रहलाद सिंह साहनी ने खड़े होकर बिधूड़ी के आरोप का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह स्कूल उनके निर्वाचन क्षेत्र में था और इसे बंद किया गया है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि एक तरफ तो दिल्ली सरकार ने इस वर्ष राष्ट्रभक्ति थीम पर बजट पेश किया था और शहीदों के लिए बड़ी-बड़ी बातें की थीं लेकिन मास्टर अमीर चंद जैसे शहीदों के नाम पर बने स्कूलों को बंद करना शहीदों का अपमान है। शहीद अमीर चंद दिल्ली के उन शहीदों में शामिल हैं जिन्हें स्वतंत्रता संग्राम में दिल्ली में फांसी पर लटकाया गया। लार्ड हार्डिंग बम कांड और लाहौर बम कांड में उन्हें अभियुक्त बनाया गया था और तीन अन्य शहीदों के साथ 1915 में फांसी पर लटका दिया गया था।

उन्होंने कहा कि हर साल 100 स्कूल खोलने के वादे के साथ सत्ता में आई केजरीवाल सरकार इस साल में ही 31 स्कूल बंद कर चुकी है। इस स्कूल को मेनेजमेंट कमेटी और अभिभावकों की मर्जी के बिना ही शंकराचार्य मार्ग पर एक और स्कूल में मर्ज करने के लिए बंद कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि स्कूल बंद करने का जो आदेश जारी किया गया है, उसमें कहा गया है कि स्कूल की मेनेजमेंट कमेटी और अभिभावकों की सहमति से ऐसा किया जा रहा है जबकि उनकी राय तक नही पूछी गई और वे इस फैसले का प्रबल विरोध कर रहे हैं। दिल्ली सरकार 30 स्कूल पहले ही अन्य स्कूलों में मर्ज कर चुकी है।

दिल्ली सरकार बिना किसी सुविधाओं को बढ़ाए नई यूनिवर्सिटी और अन्य घोषणाएं कर रही है। इस स्कूल को बंद करके यहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोली जानी है।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा मॉडल की बातें करती है लेकिन दिल्ली सरकार के 750 स्कूलों में प्रिंसिपल और 450 स्कूलों में वाइस प्रिंसिपल नहीं हैं।

स्कूलों में शिक्षकों के साढे 24 हजार पद खाली पड़े हैं और 750 स्कूलों में साइंस और कॉमर्स की पढ़ाई ही नहीं होती। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इन आरोपों का जवाब देने के लिए उठे तो उनके अपने ही विधायक ने उनकी पोल खोली दी। अपने जवाब में उन्होंने शहीदों के नाम से स्कूल बंद करने के आरोप पर एकदम चुप्पी साधे रखी।

उपराज्यपाल पर आरोप लगाना अनुचित : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि उपराज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना राजधानी के गार्जियन के रूप में काम कर रहे हैं और उन पर अधिकारों के दुरुपयोग का आरोप लगाना आप सरकार के छोटेपन को दर्शाता है। विधानसभा में उपराज्यपाल के अधिकारों पर चर्चा के दौरान बिधूड़ी ने कहा कि उपराज्यपाल श्री सक्सेना अपने एसी कमरे में नहीं बैठे बल्कि वह विभिन्न विभागों में तालमेल के लिए उनकी बैठकें कर रहे हैं। वह सिर्फ जल बोर्ड की मीटिंग नहीं ले रहे बल्कि उन्होंने डीडीए के अफसरों को भी भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित किया है। वह नई दिल्ली नगरपालिका के अधिकारियों से भी जवाब तलब कर रहे हैं। उपराज्यपाल उन जगहों पर गए हैं जहां हर वर्ष जलभराव की समस्या पैदा होती है। उदाहरण के लिए वह पुल प्रह्लादपुर गए जहां के बारे में दिल्ली सरकार ने दावा किया था कि इस साल वहां पानी नहीं भरेगा क्योंकि लाखों रुपए खर्च करके वहां पक्के इंतजाम कर दिए गए हैं।

इसके बावजूद वहां मॉनसून की पहली ही बारिश में पानी भर गया तो उपराज्यपाल महोदय जायजा लेने की गए कि आखिर सरकार की तरफ से कहां कमी है। दिल्ली में पानी की कमी और प्रदूषण पर अगर उपराज्यपाल महोदय ने मीटिंग ली है तो फिर इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। प्रदूषण दिल्ली की सबसे गंभीर समस्या है और डब्ल्यूएचओ ने दिल्ली को दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी कहा है।

बिधूड़ी ने कहा कि सर्विसेज विभाग उपराज्यपाल के अधीन है और दिल्ली सरकार ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी हुई है। जब तक सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता, तब तक अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार उपराज्यपाल के पास ही है। दिल्ली सरकार को इस मामले में संयम से और सम्मान से काम लेना चाहिए क्योंकि उपराज्यपाल पूरी दिल्ली में सुधार लाने के लिए काम कर रहे हैं।

वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद के नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न

आनंद राय गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश में एक ही दिन में 25 करोड़ पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण एवं जल वायु परिवर्तन कार्यक्रम कार्यावयन अनुभाग द्वारा नरेन्द्र भूषण प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग को जनपद गौतमबुद्धनगर का नोडल अधिकारी नामित किया गया। इसी क्रम में नरेन्द्र भूषण, प्रमुख सचिव द्वारा रविवार को जनपद गौतमबुद्धनगर में कार्यक्रम की रणनीति तथा तैयारी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर सुहास एल वाई, मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर, प्रभागीय वनाधिकारी गौतमबुद्धनगर प्रमोद कुमार व अन्य समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों तथा तीनो प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा अन्य विभागों को आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष वन विभाग की नर्सरी से संबंधित विभागों को पौध आपूर्ति रोपण की व्यवस्था जियो टैगिंग आदि के संबंध में समीक्षा की गयी। बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को व्यापक जनसहभागिता प्राप्त करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में क्रियान्वित किया जाये तथा कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों को जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से प्रसारित कराया जाये।

दिल्ली में 4 साल की बच्ची से रेप, पड़ोसी पकड़ा गया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 4 साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को घटना की सूचना रविवार रात को मिली। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बच्ची को अकेला देखकर उसके साथ बदसलूकी की। पूछताछ करने पर पीड़िता की मां ने बताया कि एक शख्स ने उसकी बेटी का यौन शोषण किया है। पुलिस ने कहा कि दोनों परिवार एक ही इमारत में रह रहे हैं और श्रम कार्यों में लगे हुए हैं। पीड़ित लड़की की काउंसलिंग की गई है और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और 377 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

घर के बाहर खेल रही 7 साल की बच्ची का यौन शोषण

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर एक सात साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध की पहचान कर ली गई है। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घटना रविवार को उस समय हुई जब लड़की अपने घर के बाहर खेल रही थी। पुलिस ने कहा कि लक्ष्मी नगर थाने को रविवार सुबह सूचना मिली कि 7 साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) प्रियंका कश्यप के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जब पीड़िता अपने घर के बाहर खेल रही थी, तो एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया और एक सुनसान जगह पर ले जाने के बाद उसका यौन उत्पीड़न किया।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता द्वारा अपने माता-पिता को आपबीती सुनाने के बाद शिकायत दर्ज की गई। पीड़िता की मेडिकल जांच पूरी होने के बाद उसकी काउंसलिंग की गई।

उपायुक्त ने कहा कि हमने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की उपयुक्त धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल में दो घंटे बिजली गुल, नहीं हुई जांच

गुरुग्राम। सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब यहां बिजली की तार लगाने के दौरान नवनिर्मित एमआरआई सेंटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हालांकि आग नहीं फैली, लेकिन इससे अस्पताल की बिजली दो घंटे गुल रही। इस कारण न तो ओपीडी पर्ची बन बनाई और न ही कोई जांच हो पाई। शॉर्ट सर्किट की घटना सुबह साढ़े नौ बजे की बताई जा रही है। इस दौरान लोग ओपीडी में इलाज के लिए पर्ची बनाने की लाइन में खड़े थे, लेकिन बिजली गुल हो जाने से पर्ची नहीं बन पाई। न सिर्फ ओपीडी बल्कि एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जांच पूरी तरह से ठप रही। हालांकि अस्पताल प्रबंधन के अधिकारियों का दावा है कि जनरेटर के सहारे आपातकालीन वार्ड, गायनी वार्ड और नीकू वार्ड में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होने दी गई। दोपहर 12 बजे के बाद ही अस्पताल परिसर में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल हो सकी। बिजली गुल होने की वजह से अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम रहा। ओपीडी में अंधेरा और गर्मी होने की वजह से डॉक्टर और अन्य स्टाफ भी उठकर बाहर चले गए, जिससे मरीजों की ओपीडी में भी जांच नहीं हो सकी। डायलिसिस यूनिट और कैथ लैब में भी सेवाएं प्रभावित रहीं। वार्ड में भी मरीज गर्मी से बेहाल रहे। ओपीडी, गायनी वार्ड सहित अन्य वार्ड में लोग हाथों से पंखे करते दिखे। अस्पताल के उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष राठी ने बताया कि तारों में फॉल्ट की वजह से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई थी।

मूसेवाला मर्डर : कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा

दिल्ली में भी कुछ सनसनीखेज करना चाहते थे अंकित और सचिन

नई दिल्ली। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में गिरफ्तार दो आरोपियों अंकित सिरसा और सचिन भिवानी को दिल्ली की अदालत ने सोमवार को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को रविवार रात कश्मीरी गेट इलाके से गिरफ्तार किया था। दोनों ही लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बरार गैंग के वॉन्टेड अपराधी हैं।

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में पेशी के दौरान यह आरोप लगाया कि उन्हें शहर में कुछ सनसनीखेज अपराध करना था। दोनों कथित तौर पर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में भी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, अंकित और सचिन के पास से 9 एमएम की एक पिस्टल और उसके 10 कारतूस, 30 एमएम की एक पिस्टल और उसके नौ कारतूस, पंजाब पुलिस की तीन वर्दी, दो मोबाइल फोन, एक डोंगल और सिम कार्ड बरामद किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, सोनीपत का रहने वाला अंकित इस मॉड्यूल का सबसे छोटा शूटर था।

वह महज चार महीने पहले ही गैंग में शामिल हुआ था और उसने मूसेवाला के सबसे करीब जाकर दोनों हाथों से गोलियां चलाई थीं। अंकित पर राजस्थान में भी हत्या की कोशिश के दो मामले दर्ज हैं।

मूसेवाला की हत्या के मामले में पिछले महीने स्पेशल सेल ने दो शूटर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इनकी पहचान हरियाणा के सोनीपत जिले के निवासी प्रियव्रत उर्फ फौजी (26), झज्जर जिले के रहने वाले कशिश और पंजाब के बठिंडा निवासी केशव कुमार (29) के तौर पर हुई है।

गौरतलब है कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की पंजाब के मानसा जिले में 29 मई को दिनदहाड़े बीच सड़क पर गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी।

स्कूटी टच करने पर चढ़ा पारा

दिल्ली में रोड रेज में 20 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के समसपुर इलाके में रोड रेज की एक घटना में शराब की दुकान के बाहर कथित तौर पर सीने पर नुकीली चीज से वारकर 20 वर्षीय युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान पटपड़गंज गांव निवासी निखिल शर्मा (20) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार को शराब की दुकान के पास पीड़ित और उसके दोस्त ने आरोपी की स्कूटी को छू दिया था, जिसके बाद उनमें झगड़ा हो गया था। पुलिस ने कहा कि घटना उस समय हुई जब दोनों शराब खरीदकर लौट रहे थे। जिस व्यक्ति से उनका झगड़ा हुआ था, थोड़ी देर बाद वह अपने एक साथी के साथ वापस लौटा। इनमें से एक ने पीड़ित के सीने पर नुकीली चीज से वार कर दिया, जिससे निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) प्रियंका कश्यप ने कहा कि पांडव नगर पुलिस थाना को रविवार रात करीब आठ बजकर 42 मिनट पर सूचना मिली कि झगड़े में घायल पीड़ित को उसके दोस्त ने खिचड़ीपुर के एलबीएस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि पीड़ित और उसके दोस्त का समसपुर में शराब की दुकान के पास स्कूटर छू जाने को लेकर एक अज्ञात स्कूटर सवार के साथ विवाद हुआ था। उन्होंने कहा कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और दोषियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

अपराधियों की पहचान करने और घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए अपराध स्थल के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

ट्रक खराब होने से हाईवे पर रेंगते रहे वाहन

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सोमवार को ट्रक खराब होने से वाहन रेंगते रहे। इसके अलावा शहर में भी चार जगहों पर जाम लगा रहा, जिसके कारण सुबह लोग अपने ऑफिस देरी से पहुंचे। वहीं लोगों को दिक्कत न हो,उसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने जाम के बारे में सोशल मीडिया पर अपडेट कर दूसरे रास्तो से गुजरने की सलाह दी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सुबह जयपुर से दिल्ली जाने की ओर नरसिंहपुर के पास ट्रक के टायर पंचर और एक कार खराब हो गई, जिसके कारण हाईवे पर वाहनों की रफ्तार रुक गई और जाम लग गया। करीब दो घंटे तक वाहन रेंग-रेंग कर चले। इस दौरान हाईवे पर वाहनों की डेढ़ किलोमीटर तक लंबी कतारें लग गई। हालांकि सुबह साढ़े दस बजे क्रेन की मदद से ट्रक को हाईवे से हटाकर सर्विस रोड पर खड़ा किया।

नाना के घर आए 12 वर्षीय लड़के से कुकर्म

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-113 क्षेत्र के परथला गांव में 12 वर्षीय लड़के से उसकी ननिहाल में एक युवक द्वारा कथित तौर पर जबरन कुकर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार रात की है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रणविजय सिंह ने बताया कि पीड़ित सेक्टर 113 क्षेत्र के परथला गांव निवासी अपने नाना घर पर रहने के लिए आया था। रविवार शाम को वह वह गांव के पास बने पानी के प्लांट के पास खेल रहा था। उसी दौरान पानी के प्लांट में काम करने वाले आरोपी रोशन नामक युवक ने उसे पकड़ लिया तथा उसका मुंह दबा कर झाड़ियों में खींच ले गया। आरोप है कि रोशन ने पीड़ित से कुकर्म किया। पीड़ित ने घटना के बाद अपने नाना के घर पहुंच कर मामा को अपनी आपबीती बताई, जिसके बाद उसके मामा ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बच्चे का मेडिकल कराने के बाद केस दर्ज कर लिया है। अपर उपायुक्त ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी रोशन को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। बता दें कि, नोएडा पुलिस इस मामले की भी जांच कर रही है कि आरोपी द्वारा की गई यह पहली घटना है या इससे पहले भी वह कुछ और बच्चों के साथ इस तरह की हरकत को अंजाम दे चुका है।

नोएडा में धड़ल्ले से चल रहा अवैध नशे का कारोबार, ऑन डिमांड सप्लाई; हर महीने 40 से ज्यादा तस्कर होते हैं गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। शहर में अवैध नशे का कारोबार खूब फैल रहा है। हालांकि पुलिस इन तस्करों पर लगाम लगाने के लिए हर माह 40 से अधिक गांजा तस्करो को गिरफ्तार करती है, जिनमें महिलाएं भी शामिल है। इसके अलावा इस वर्ष अलग-अलग जगहों पर करोड़ों रुपये कीमत का गांजा भी बरामद कर चुकी है। इतना होने के बाद भी पुलिस पूरी तरह से इन तस्करों की कमर तोड़ने में नाकामयाब हो रही है।

पुलिस लगातार शहर में बढ़ते अवैध नशे के कारोबार को रोकने का प्रयास कर रही है। तीन दिन पहले ही फेस 2 थाना पुलिस ने उड़ीसा से घरेलू सामान के बीच छिपाकर लाया जा रहा लगभग 42 लाख 50 हजार रुपये कीमत का गांजा पकड़ा था। इसके अलावा प्रतिदिन जनपद में अलग-अलग जगहो पर गांजा तस्कर पकड़े जाते है।

पुलिस हर माह 40 से अधिक गांजा तस्करो को गिरफ्तार करती है। पकड़े गये आरोपियों के पास से पुलिस हर माह 60 किलो से अधिक गांजा बरामद करती है। पुलिस की इस कार्रवाई का भी इन तस्करों पर कोई असर होता हुआ नही दिखाई दे रहा है।

इस वर्ष पकड़ा गया करोड़ों रुपये का गांजा

29 जून 2022 को नोएडा-एनसीआर में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले आरोपी को फेज 2 थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से पुलिस ने लगभग 42 लाख 50 हजार का गांजा बरामद किया था।

4 जून 2022 को एसटीएफ नोएडा यूनिट ने आठ गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया था। एसटीएफ ने आरोपियों के कब्जे से दो कारों में भरी 5.64 क्विंटल गांजे की खेप बरामद की थी। बरामद गांजे की कीमत डेढ़ करोड़ रुपये बताई गई थी।

9 फरवरी 2022 को सेक्टर-24 थाना पुलिस ने आंध्र प्रदेश से तस्करी कर लाए गए 512 किलो गांजा समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने गांजे को कैंटर में घरेलू सामान के नीचे छिपाकर रखा गया था। 11 मार्च 2022 को फेस-3 थाना पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले एक गैंग को पकड़ा है। इनमें 2 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल थे। इनके पास से पुलिस ने 4 किलो गांजा और वाहन बरामद किया था।

महिलाओं के भेष में भी पकड़े गये गांजा तस्कर

जून 2022 को बीटा 2 थाना पुलिस ने महिला के भेष में गांजे की तस्करी कर रहे दो तस्करों को पी 3 गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से पुलिस ने एक किलो 500 ग्राम गांजा भी बरामद किया था।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह नोएडा-एनसीआर और वेस्ट यूपी के फुटकर गांजा तस्करों के संपर्क में रहते हैं। आरोपी इन्हें किलो के हिसाब से गांजा बेचते है। इसके बाद फुटकर विक्रेता पुड़िया बनाकर इनकी बिक्री करते हैं।

इनका जाल नोएडा से लेकर पूरे एनसीआर व वेस्ट यूपी में विभिन्न जिलो में फैला हुआ है। आरोपी किसी एक निश्चित स्थान या फिर ऑन डिमांड कॉल करने पर गांजे की पुड़िया बेचते हैं। आरोपी अधिकतर युवा और छात्रों को नशे का आदि बनाते हैं।

संपादकीय

दहशतगर्दी, बर्बरता बनाम मीलार्ड का हुक्मनामा !

नुपुर शर्मा के विवादित बयान की आड़ लेकर देश भर में आक्रामक दहशतगर्दी बर्बरता फैलाने का असामाजिक तत्वों का मंसूबा अंतरराष्ट्रीय व अनतर्राज्यीय नेटवर्क से जुड़ा हुआ था राष्ट्रीय जांच एजेंसी इस सिलसिले में लगातार गहराई तक जांच कर रही है।इसी बीच महाराष्ट्र के अमरावती में उमेश कोल्हे की हत्या को भी नुपुर शर्मा विवाद से सम्बद्ध आतंकी वारदात बताया जा रहा है।एनआईए ने शनिवार देर रात दर्ज प्राथमिकी में कहा कि %देशवासियों के एक वर्ग% को आतंकित करने के मकसद से दहशतगर्दों ने यह कत्ल किया गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी इसकी जांच करेगी कि क्या यह मामला राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा है या फिर विदेश से इस बर्बर अपराध को भड़काया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक के बेटे की शिकायत के आधार पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16, 18 और 20 और धारा 34, 153 (ए), 153 (बी), 120 (बी) और 302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है। अमरावती के दवा विक्रेता उमेश प्रहलादराव कोल्हे को तीन बाइक सवार वर्ग विशेष के चरमपंथियों ने मौत के घाट उतार दिया था, क्योंकि उसने पूर्व भाजपा नेता नुपुर शर्मा की कथित पैगंबर विरोधी टिप्पणी का समर्थन किया था। प्राथमिकी में मुदस्सर अहमद, शाहरुख पठान, अब्दुल तौफीक, शोएब खान, आतिब राशिद, युसूफ खान, शाहिम अहमद और इरफान खान को अज्ञात लोगों के साथ आरोपी बनाया गया है

अमरावती पुलिस ने इस वारदात को लूट के मकसद से कई गई हत्या का मामला दर्ज किया था। एनआईए की प्राथमिकी यह साफ करती है कि पीड़ित के शॉप से कुछ भी लूटा या चोरी नहीं किया गया था। ऐसे में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार के रहते राज्य की पुलिस की कार्यप्रणाली भी संदेह के घेरे में आ गई है। तथ्य यह है कि राज्य पुलिस के डीजीपी ने घटना के बारे में केंद्र को कोई रिपोर्ट नहीं भेजकर अवगत कराने की चेष्टा नहीं की बाद में एनआईए की ओर से मामले की पड़ताल करने पर सच सामने आ रहा है। इस तरह एक ही पैटर्न पर कट्टरपंथी लोगों ने उमेश कोल्हे और उदयपुर के कन्हैयालाल की गला काट कर नृशंस हत्याऐं की। दोनों का कुसूर नुपुर के मामले में सोशल मीडिया पर टिप्पणी करना बताया गया है।

अब इसी परिप्रेक्ष्य में देश की सबसे बड़ी अदालत के दो जजों की बैंच के द्वारा नुपुर शर्मा की एक याचिका की सुनवाई करते हुए की गई टिप्पणी ने बहुत बड़े जनमानस को असहज महसूस करा दिया है।

दरअसल नूपुर शर्मा विवादित बयान मामले में अपने खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज कराए जा रहे मामलों को क्लब कर उनकी सुनवाई दिल्ली में कराने की गुहार ले कर सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा को कहा कि आपके बयान से देश का माहौल खराब हुआ है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आपको टीवी पर जाकर माफी मांगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आप अपने आप को वकील कहती हैं, फिर भी ऐसा बयान दिया। आपके बयान से देश का माहौल बिगड़ा है। कोर्ट ने कहा कि आपके बयान से देश की बदनामी हुई है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आप इस मामले में हाईकोर्ट जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा की पहले मांगी गई माफी को लेकर भी सवाल खड़े किए। अदालत ने कहा कि आपने जो माफी मांगी वो भी सशर्त थी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए नूपुर शर्मा से कहा कि ऐसा लगता है कि दिल्ली पुलिस ने आपके लिए रेड कार्पेट बिछा रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नूपुर शर्मा का बयान की वजह से ही उदयपुर की घटना हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया था कि आपको ऐसा बयान दिए जाने की जरूरत ही क्या थी ।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए कहा कि सत्ता की ताकत दिमाग पर हावी नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आपने माफी मांगने में देर कर दी।

अग्निपथ योजना का विरोध बेरोजगारी संकट का सूचक है

प्रियंका 'सौरभ'

अग्निपथ योजना के खिलाफ सबसे अधिक विरोध बिहार, उत्तर जैसे राज्यों में शुरू हुआ और तेजी से उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में फैल गया। यहां अच्छी नौकरियां नहीं पैदा हो रही हैं। खराब कार्य अनुबंधों की अंतर्निहित समस्या, तदर्थ संविदाकरण और कार्यबल में विसंघीकरण ने सुरक्षित नौकरियों की गुणवत्ता को कम कर दिया है और इसके कारण बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है।

अग्निपथ योजना को देश में मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। सरकार ने तीनों में सैनिकों की भर्ती के लिए अपनी नई योजना का अनावरण किया। नई अग्निपथ योजना के तहत सेना, नौसेना और वायु सेना में लगभग 45,000 से 50,000 सैनिकों की सालाना भर्ती की जाएगी और इनमे सेअधिकांश सिर्फ चार साल में सेवा छोड़ देंगे; स्थायी कमीशन के तहत कुल वार्षिक भर्तियों में से केवल 25 प्रतिशत को ही जारी रखने की अनुमति दी जाएगी।

बेरोजगारी आज भारत में चिंताजनक चिंता का कारण बनता जा रही है; बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से मौजूदा मजदूरी दर पर दोनों काम करने में सक्षम होता है, लेकिन नौकरी नहीं मिलती। देश में बेरोजगारी दर अप्रैल में 7.60 . से बढ़कर 7.83 प्रतिशत हो गई। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर, रघुराम राजन, हाल ही में भारतीय रेलवे में 90,000 निम्न-श्रेणी की नौकरियों के लिए आवेदन करने वाले 25 मिलियन युवाओं को संदर्भित किया और बताया कि रेलवे इस बात का सबूत है कि उच्च विकास ने पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं किया है।

देश में उपलब्ध नौकरियों के बीच बेमेल होने से उत्पन्न बेरोजगारी में बाजार और बाजार में उपलब्ध श्रमिकों का कौशल प्रमुख है। भारत में बहुत से लोगों को आवश्यक कौशल और खराब शिक्षा स्तर के कारण नौकरी नहीं मिलती है। उन्हें, प्रशिक्षित करना मुश्किल हो जाता है। पाठ्यक्रम ज्यादातर सिद्धांतोन्मुखी है और व्यावसायिक प्रदान करने में विफल रहता है। वर्तमान आर्थिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। जब कुशल मानव संसाधन का उत्पादन करने की बात आती है तो डिग्री-उन्मुख प्रणाली विफल हो जाती है।

कृषि का 51 प्रतिशत रोजगार में योगदान है लेकिन यह क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 12-13त्न योगदान देता है। इस घाटे के पीछे सबसे बड़ा योगदान प्रच्छन्न बेरोजगारी की समस्या है। कई शिक्षित युवा जॉब प्रोफाइल के कारण सरकारी नौकरियों के पीछे भागते हैं और सरकारी नौकरियों की तैयारी करने वाले छात्रों के कारण कई लोग बेरोजगार रह जाते हैं।

आज हमें अग्निपथ और अन्य सरकारी नौकरियों के अलावा सहयोगात्मक कदमों की आवश्यकता है। बेरोजगारी के मुद्दे से निपटने के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। विनिर्माण क्षेत्र के लिए तेजी से औद्योगीकरण की आवश्यकता है ताकि श्रम बलों को कृषि से स्थानांतरित किया जा सके। शिक्षा केंद्रों पर पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाना चाहिए ताकि सीखने और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। स्वरोजगार को सरकारी सहायता आदि से देयता मुक्त ऋणों की सहायता से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, मूल व्यावसायिक विचारों को विकसित करने के लिए इनक्यूबेशन केंद्रों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य होगा। सरकार के साथ-साथ सहयोग और पूंजी निवेश के लिए व्यापारिक घरानों को और अधिक विदेशी आमंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए ताकि रोजगार के अवसर बढ़ सकें। श्रम प्रधान विनिर्माण क्षेत्र जैसे खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा और रोजगार सृजित करने के लिए फुटवियर को बढ़ावा देने की जरूरत है।

कितना जरूरी है सोशल मीडिया पर अंकुश?

अभिनय आकाश

सोशल मीडिया एक बड़ी ताकत है और इसका दायरा भी बहुत बड़ा है। लेकिन ताकत अपने साथ ढेरों जिम्मेदारियां लेकर भी आता है, वो भी खासकर तब जब कि उसका रेंज वर्ल्ड वाइड हो। लेकिन क्या सोशल मीडिया अपनी जिम्मेदारी को सही से निभा रहा है।

अक्सर ये कहा जाता है कि लोकतंत्र के चार स्तंभ हैं। पहला विधायिका जो कि कानून बनाने का काम करती है। दूसरा कार्यपालिका विधायिका द्वारा बनाए गए कानून को लोगों तक पहुँचाना व कानून को बरकरार रखना। तीसरा न्यायपालिका जिसका कार्य बनाए गए कानूनों की व्याख्या करना व कानून का उल्लंघन होने पर सज़ा का प्रावधान करना होता है। इससे कोई भी व्यक्ति शक्ति के आधार पर कानून का उल्लंघन करने में असमर्थ हो जाता है। चौथा पत्रकारिता पत्रकारिता जिसे मीडिया भी कहा जाता है को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में दर्जा मिला है। वहीं लोकतंत्र के पांचवे स्तंभ के रूप में सोशल मीडिया ने भी एक अहम स्थान लिया है। विभिन्न मौकों पर सोशल मीडिया का ही असर था चाहे वो दिल्ली के निर्भया से लेकर जेसिका लाल हत्याकांड तक में सोशल मीडिया की ताकत के सहारे ही जनसैलाब हाथों में कैंडिल और इंसाफ की मांग लिए सड़कों पर उमड़ पड़ा था। सोशल मीडिया एक बड़ी ताकत है और इसका दायरा भी बहुत बड़ा है। लेकिन ताकत अपने साथ ढेरों जिम्मेदारियां लेकर भी आता है, वो भी खासकर तब जब कि उसका रेंज वर्ल्ड वाइड हो। लेकिन क्या सोशल मीडिया अपनी जिम्मेदारी को सही से निभा रहा है। जवाब, शायद नहीं हो। क्योंकि समय-समय पर चाहे वो सरकार हो या फिर कोर्ट द्वारा उस पर अंकुश लगाने की मांग की जाती रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या सोशल मीडिया इपने मकसद से भटक गया है? अन्य देशों में इसको लेकर क्या प्रावधना है और सबसे अहम सवाल कि आज हम इसकी चर्चा क्यों कर रहे हैं?

सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को यह कहते हुए कड़ी फटकार लगाई कि वह पैगंबर मुहम्मद पर अपनी टिप्पणियों के साथ उदयपुर की क्रूर हत्याओं के लिए जिम्मेदार थीं और कहा कि उन्हें टीवी पर आकर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, जिस तरह से उन्होंने देश भर में भावनाओं को प्रज्वलित किया है। देश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए यह महिला अकेली ही जिम्मेदार है। देश में आज भी लोग सुप्रीम कोर्ट के बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की हालिया टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट और इम्पिचमेंट यानी महाभियोग टॉप ट्रेंड में रहा। लोगों द्वारा जजों के इतिहास खंगाले जाने लगे और यहां तक की सरकार से महाभियोग के जरिये न्यायधीशों को हटाने की भी बात कही जाने लगी। सोशल मीडिया पर बनते माहौले के बीच पैगंबर मुहम्मद पर टिप्पणी के लिए भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को फटकार लगाने वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच का हिस्सा रहे जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सोशल मीडिया के सख्त नियमों का आह्वान करते हुए दावा किया कि मीडिया ट्रायल कानून के शासन के लिए स्वस्थ नहीं हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कहा कि सोशल मीडिया आधे सच से ग्रसित है। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर नियंत्रण के लिए सख्त

नियमों के साथ ही नियमन लागू करने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि मीडिया ट्रायल कानून के शासन के लिए स्वस्थ नहीं है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि ये लक्ष्मण रेखा को पार कर जाता है और ये अधिक समसयाग्रस्त होता है, जब ये केवल आधे सत्य का पीछा करता है।

प्रमुख अन्य देशों में सोशल मीडिया विनियम

भारत सोशल मीडिया को विनियमित करने का इरादा रखता है और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 को पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है। हालांकि, हम सोशल मीडिया नियमों को लागू करने वाले एकमात्र देश नहीं हैं। आइए देखें कि प्रमुख अन्य देशों में सोशल मीडिया के नियम भारत के नियमों से कैसे अलग हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका

अमेरिका में कैपिटल हिल की हिंसा के बाद हजारों सोशल मीडिया हैंडल्स बैन किए गए। कई लोगों पर एक्शन हुआ। लेकिन अगर रेगुलेशन को लेकर देखा जाए तो अमेरिका सोशल मीडिया के सेल्फ रेगुलेशन का पक्षधर है> अमेरिका में टीवी-रेडियो, इंटरनेट आदि पर नियमन के लिए तो फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन है लेकिन ऐसी कोई संस्था नहीं है जो सोशल मीडिया को लेकर तय कर सके कि क्या जाना चाहिए और क्या नहीं जाना चाहिए> हालांकि हाल में कई विवादित मुद्दों पर इन सोशल मीडिया कंपनियों के अधिकारियों को अमेरिकी संसद के सामने पेश होकर सफाई देनी पड़ी है। हालांकि, सोशल मीडिया को विनियमित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में संचार सभ्यता अधिनियम की धारा 230 सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान है। इसमें कहा गया है कि एक इंटरैक्टिव कंप्यूटर सेवा को तीसरे पक्ष की सामग्री का प्रकाशक या वक्ता नहीं माना जा सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सार्वजनिक रूप से धारा 230 को पूरी तरह से निरस्त करने का प्रस्ताव रखा है।

अन्य विधेयक और सिफारिशें

यूरोपीय देशों में देखा जाए तो ब्रिटेन में लंबे समय से सोशल मीडिया कंपनियों के सेल्फ रेगुलेशन पर सरकार का जोर है। अमेरिका नें ब्रॉड लेवल पर सोशल मीडिया सेल्फ रेगुलेशन के आधार पर संचालित हो रही है। लेकिन अदालतों में शिकायतों के दौरान इन कंपनियों की जवाबदेही तय होती है इसलिए सेल्फ रेगुलेशन के नियम वहां काफी सख्ती से लागू भी होते है। ऑस्टेलिया ने 2019 में Sharing of Abhorrent Violent Material Act पारित किया। इसमें नियमों के उल्लंघन पर कंपनियों पर आपराधिक जुर्माना, 3 साल तक की जेल और कंपनी के ग्लोबल टर्नओवर के 10 फीसदी तक के जुर्माने की व्यवस्था है।

ऑस्टेलिया

ऑस्टेलिया ने 2019 में Sharing of Abhorrent Violent Material Act पारित किया। इसमें नियमों के उल्लंघन पर कंपनियों पर आपराधिक जुर्माना, 3 साल तक की जेल और कंपनी के ग्लोबल टर्नओवर के 10 फीसदी तक के जुर्माने की व्यवस्था है।

न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड में मस्जिद शूटिंग की घटना के लाइव स्ट्रीमिंग को लेकर सख्त कार्रवाई इसी नियम के तहत शुरू की गई। इससे पहले 2015 में आए ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट में आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने को कहने का अधिकार ई-सेफ्टी कमिश्नर को दिया गया। जिसमें बाद में 2018 में रिवेंज पोर्न पर सख्त एक्शन के प्रावधानों को भी जोड़ा गया। ऑस्ट्रेलिया में इन नियमों की मांग 2014 की उस घटना के बाद से हो रही थी जिसमें साइबर बुलिंग से परेशान हो कर कैरलॉट डावसन नाम की टॉप मॉडल ने खुदकुशी कर ली थी।

रूस में इंटरनेट को बंद करने का है अधिकार

रूस में बना इमरजेंसी रूल एजेंसियों को ये अधिकार देता है कि वे किसी आपात स्थिति में %वर्ल्डवाइड वेब% को स्विच ऑफ कर सकें। रूस का 2015 का डेटा लॉ सोशल मीडिया कंपनियों के लिए ये अनिवार्य करता है कि रूस के लोगों से जुड़े डेटा को रूस में ही सर्वर में स्टोर करना होगा।

चीन में तो इन कंपनियों पर पूरी तरह है पाबंदी

वहीं, अगर चीन का मामला देखा जाए तो वहां ट्विटर, गूगल और व्हाट्सऐप जैसी सोशल मीडिया साइट्स ब्लॉक हैं। इनके विकल्प के तौर पर चीन ने Weibo, Baidu and WeChat जैसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स डेवलप किए हैं।

मीडिया ट्रायल

न्यायपालिका सख्त शब्दों में कहती आ रही है कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार असीमित नहीं है। इसलिए मीडिया चाहे व प्रिंट हो या इलेक्ट्रानिक या फिर सोशल मीडिया को इस अधिकार की लक्ष्मण रेखा नहीं लांघनी चाहिए। मीडिया ट्रायल की बढ़ती प्रवृत्ति और इनके खतरों के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय ने कई फैसलों में मीडिया को आगाह किया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मीडिया, चाहें प्रिंट, इलेकट्रॉनिक, डिजिटल हो या फिर सोशल मीडिया, को किसी भी स्थिति में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का इस्तेमाल करते समय 'अपनी भाषा, मर्यादा संयम और किसी भी जांच में हस्तक्षेप के अंजाने प्रयास में' अदृश्य सीमा रेखा नहीं लांघनी चाहिए। अन्यथा वह समय दूर नहीं है जब न्यायपालिका संविधान में प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आ रही मीडिया के लिये विशेष परिस्थितियों या मामलों के संबंध में 'कोई लक्ष्मण रेखा' नहीं खींच दे।

नुपूर शर्मा मामले में दो जजों की टिप्पणियों पर हंगामा क्यों बरपा है?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जजों का यह प्रश्न भी ध्यान देने लायक है कि पत्रकार तो वैसी टिप्पणी कर सकता है लेकिन किसी पार्टी-प्रवक्ता को उत्तेजित होकर वैसी टिप्पणी करनी चाहिए क्या? हमारे राजनीतिक नेता और उनके प्रवक्ता खास तौर से टीवी चैनलों पर काफी निरंकुश टिप्पणियां कर देते हैं।

नुपुर शर्मा के मामले में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के दो जजों ने बहस के दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उन्हें लेकर देश में काफी बहस छिड़ गई है। अनेक लोग उनकी टिप्पणियों पर सख्त नाराजी जाहिर कर रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या के लिए नुपुर को जिम्मेदार ठहराने वाले जजों से कोई पूछे कि उनकी नुपुर-विरोधी टिप्पणियों के कारण यदि नुपुर या किसी अन्य व्यक्ति की हत्या हो जाए तो क्या इन सम्मानीय जजों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

यह तो सबको पता है कि जजों की टिप्पणियां उनके फैसले का अंग नहीं हैं, इसलिए उनका कोई कानूनी महत्व नहीं है। उन्हें बाजारू गप-शप की तरह अनदेखा भी किया जा सकता है और उस याचिका की भी जरूरत दिखाई नहीं पड़ती कि ये जज अपने टिप्पणियां वापिस लें। उन्होंने वकील के बयानों के जवाब में उत्तेजित होकर उसी तरह तीखी टिप्पणी कर दी, जैसे कि टीवी संवाद के दौरान नुपुर ने जवाब में वह टिप्पणी कर दी थी, जिसने काफी गलतफहमी पैदा कर दी है।

इन जजों का यह प्रश्न भी ध्यान देने लायक है कि पत्रकार तो वैसी टिप्पणी कर सकता है लेकिन किसी पार्टी-प्रवक्ता को उत्तेजित होकर वैसी टिप्पणी करनी चाहिए क्या? हमारे राजनीतिक नेता और उनके प्रवक्ता खास तौर से टीवी चैनलों पर काफी निरंकुश टिप्पणियां कर देते हैं। उनको उसका करारा जवाब विरोधी लोग दिए बिना मानते नहीं हैं। टीवी मालिक तो यही चाहते हैं।

यदि तू-तू मैं-मैं जमकर चले तो उनकी दर्शक-संख्या बढ़ेगी लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इससे देश का कितना नुकसान हो सकता है। ऐसी बहसों को रोकने के लिए टीवी चैनलों पर भी अंकुश लगाया जाना जरूरी है। बेहतर तो यही हो कि इस तरह के विवादास्पद मुद्दों पर जो भी बहस हो, उसे पहले से रेकार्ड और संपादित करके ही जारी किया जाए। वरना जो कुछ उदयपुर और अमरावती में हुआ है, वह बड़े पैमाने पर भी हो सकता है। स्वतंत्र भारत के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने अपने दिल का दर्द कल अमेरिका के भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए सार्वजनिक कर ही दिया।

उन्होंने कहा कि सत्तारुढ़ और विपक्षी नेता, दोनों ही चाहते हैं कि न्यायपालिका उनकी तरफ झुके लेकिन उसका धर्म उसके निष्पक्ष रहने से ही सुरक्षित रह सकता है। बहुत दुख की बात है कि हमारे प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता अपनी-अपनी रोटियां सेंकने से अब भी बाज नहीं आ रहे हैं। क्या उन्हें इस बात का ज़रा भी अंदाज नहीं है कि उनकी कारगुजारियों के चलते यह धर्म-निरपेक्ष भारत धर्मयुद्ध का स्थल बन सकता है?

सच्चा धर्म

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भारत भूमि की उदार और सहिष्णु छवि को अपनी पंक्तियों में उतारते हए कहा है

भारत माता का मन्दिर यह, समता का सम्वाद यहाँ।
सबका शिव कल्याण यहाँ, हैं पावें सभी प्रसाद यहाँ।।

भारत-भूमि की महानता उसकी विशाल जनसंख्या अथवा भू-क्षेत्र के कारण नहीं, अपितु उसकी भव्य और अनुकरणीय उदार परम्पराओं के कारण रही है। आचार, विचार, चिन्तन, भाषा और वेशभूषा की विविधताओं को राष्ट्रीयता के सूत्र में पिरोकर भारत ने मानवीय एकता का आदर्श उपस्थित किया है। भारतीय मान्यता के अनुसार धैर्य, क्षमा, आत्मसंयम, चोरी न करना, पवित्र भावना, इन्द्रियों पर नियन्त्रण बुद्धिमत्ता, विद्या, सत्य और क्रोध न करना ये धर्म के दस लक्षण हैं। सभी धर्म इनको अपना आदर्श और अपना अंग मानते हैं। महाभारत में कहा गया है कि जो सब धर्मों को सम्मान नहीं देता, वह धर्म नहीं अधर्म है। मनुष्य को मनुष्य का गला काटने की दुष्प्रेरणा, दूसरों का घर जलाने की और नारियों के अपमान की कु-शिक्षा अधर्म है और ईश्वर का घोर अपमान है। धर्म अत्यन्त व्यापक विचार है। इसमें मानवता के श्रेष्ठ विचार और भाव निहित हैं। धर्म किसी एक व्यक्ति के उपदेश या शिक्षाओं को नहीं कहते। किसी एक ही महापुरुष, पैगम्बर या अवतार के उपदेशों से सम्प्रदाय बनते हैं, धर्म नहीं। वैदिक धर्म या सनातन धर्म संसार का आदि धर्म है। यह किसी पुरुष विशेष के उपदेशों, शिक्षाओं या संदेशों पर आधारित नहीं है। इसकी अनेक शाखाएँ तथा उपशाखाएँ हैं। बौद्ध, जैन, सिख आदि सम्प्रदाय इसी से विकसित हुए हैं। विदेशी आक्रमणकारियों के साथ भारत में इस्लाम तथा ईसाई धर्मों (सम्प्रदायों) का आगमन हुआ है। भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या भारत के मूल सनातन धर्म तथा अन्य सम्प्रदायों के वैचारिक अन्तर से सम्बन्धित है। साम्प्रदायिक कटुता के कारण अपने ही सम्प्रदाय को अच्छा मानना, दूसरों को बलपूर्वक अपना धर्म अपनाने को बाध्य करना आदि साम्प्रदायिकता के मूल कारण हैं।

सुख दुख तो अतिथि हैं, बारी-बारी से आएंगे चले जाएंगे - दोनों नहीं आएंगे तो अनुभव कहां से लाएंगे

सुख या दुख की निरंतरता नहीं होती - सुख और दुख को जिसने समभाव में समझ लिया उसने स्वयं को जान लिया - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वर्ष 1971 में आई फिल्म कभी धूप कभी छांव में गायक कवि प्रदीप का मशहूर गीत सुख दुख दोनों रहते जिसमें जीवन है वो गांव, कभी धूप तो कभी छांव, ऊपर वाला पासा फेंके नीचे चलते दांव, कभी धूप तो कभी छांव यह गीत आज हर युवा को सुनना चाहिए क्योंकि आज का युवा हमारे देश का भविष्य है और मेरा माननाहै कि वर्तमान चकाचौंध डिजिटल युग और पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव से वर्तमान पीढ़ी में दुख, कष्ट,परेशानी से संघर्ष करने की क्षमता अपेक्षाकृत कम होती जा रही है। हर कोई चाहता है कि वह सुखों का मालिक बना रहें, दुख उसके पास फटके भी नहीं!! परंतु वास्तविकता से दूर युवकों को हकीकत के नजदीक लाकर सुखों और दुखों को एक दूसरे का पर्यायवाची मानने की चर्चा आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से करेंगें हालांकि, अनेक युवा साथी सुख-दुख के चक्रव्यूह को भलीभांति पहचानते भी हैं।

साथियों बात अगर हम सुखों की करें तो मेरा मानना है कि आज हर व्यक्ति को दूसरे का सुख और समृद्धि अधिक दिखती है और अपनी कम!! अपनी उपलब्धि से असंतुष्ट रहने वाला व्यक्ति पराई उपलब्धि से जलता रहता है या उस पर हस्तक्षेप करता रहता है। इससे अनेक उलझनें सामने आती हैं। वह हर तरह से सुखी और संपन्न होने पर भी दुखी और दरिद्र प्रतीत होता है। इसी कारण समस्याओं से भी घिरा रहता है। सुखी होने का बहुत सरल फामरूला है-संतुष्ट होना।

साथियों बात अगर हम दुखों की करें तो, जीवन में जितना कष्ट आएगा, उतना ही हममें सहनशीलता आएगी और हम धैर्यवान होते जाएंगे। धैर्य एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति की कार्यक्षमता में वृद्धि करता है, उसे आगे ले जाता है। उसे संपूर्णता प्रदान करता है। बड़ा दुख उपचार कर देता है सभी छोटे-छोटे दुखों का और असंख्य छोटे-छोटे दुखों के उपचार से प्राप्त सुख असीम सुख में परिवर्तित होकर आनंद ही देता है। दु:ख, कष्टों से जूझने की क्षमता का विकास कर देता है।जितना बड़ा दुख, उतना ही क्षमतावान मनुष्य। हम कष्टों और समस्याओं से पलायन कर स्वयं अपने सुखों से दूर होते जाते हैं। असीमित उपभोग द्वारा भी हम अपने दुखों को कम कर लेते हैं। शरीर को जितना अधिक आराम और सुविधाएं देते हैं, वह उतना ही निष्क्रिय और जड़ होता जाता है। परिश्रम अथवा व्यायाम करेंगे, तो थोड़ा कष्ट तो जरूर होगा, पर स्वस्थ शरीर का सुख भी मिलेगा। कम खाएंगे तथा भूख लगने पर खाएंगे, तो भोजन के स्वाद का सुख भी मिलेगा। जो सारे दिन खाद्य-अखाद्य का उपभोग करते रहते हैं, उनके लिए भोजन में स्वाद का सुख कहां? इस प्रकार दुख को सहन करने से हमारी ऊर्जा जागती है। हमारी क्षमताओं का विकास होता जाता है।

साथियों बात अगर हम सुख-दुख की करें तो, जब जीवन में सुख आता है हम सुखी हो जाते हैं और जब दुख आता है तो हम दुखी हो जाते हैं। सोचना यह है कि हमारा अपना क्या योगदान रहा। जैसे वे आए हम वैसे हो गए। इसीलिए हमारे ऋषि-मुनियों ने एक नई स्थिति हमें सौंपी है- आनंद। आनंद में हमारी भूमिका आरंभ हो जाती है। दुख कभी किसी के जीवन में कम नहीं होंगे, लेकिन जो आध्यात्मिक व्यक्ति होते हैं वे समझ जाते हैं कि दुख आए तो दुखी नहीं होना है। दुख का आना और हमारा दुखी होना इसमें हम जितना भेद कर देंगे, जितनी दूरी बना देंगे, उतने ही हम आनंद के निकट चले जाएंगे। सुख आता है तो मनुष्य अहंकार में डूब जाता है, दुख आता है तो तनावग्रस्त हो जाता है। ये दोनों ही चीजें भीतर से पैदा की गई हैं।

साथियों बात अगर हम सुख दुख के समान भाव की करें तो अनन्तानीह दु:खानि सुखं तृणलवोपमम् ।
नात: सुखेषु बध्नीयात् दृष्टिं दु:खानुबन्धिषु ॥
इस जगत में दु:ख अनंत है और सुख तो तृण की तरह अल्प ! इसलिए जिसमें सुख के पीछे दु:ख आता है वैसे सुखमें इन्सान ने आसक्ति नहीं रखनी चाहिए । एक धर्म में समता (समान भाव) का बहुत ही महत्व है। इसका अर्थ होता है सुख और दुख दोनों ही अवस्थाओं में अस्थिर नहीं होना, साम्य भाव रखना। श्रमण शब्द प्राकृत भाषा में समण से बनता है, जिसका अर्थ होता है जो समता को धारण करे। समणो सम सुख दुक्खो का अर्थ है कि श्रमण वही है, जो सुख और दुख में समान रहे। कष्टों में भी समता भाव धारण करने वाला एक महान उदाहरण मिलता है 23 वें तीर्थंकर पा ?र्श्वनाथ के जीवन में।

साथियों बात अगर हम मन के भावों की करें तो, किसी भाव के कारण ही अभाव का तथा अभाव विशेष के कारण ही भाव विशेष का महत्व है। मृत्यु, अंधकार, विषमता, विरह अथवा अपमान आदि के उपस्थित होने पर ही जीवन की अमरता, प्रकाश, अनुकूलता, मिलन अथवा मान-सम्मान के भाव की अनुभूति की जा सकती है। इसी प्रकार यदि दुख नहीं आएगा, तो सुख भी नहीं आएगा, क्योंकि दुख की अनुभूति के बाद ही संभव है सुख की अनुभूति। व्यक्ति सुख चाहता है, पर हर व्यक्ति सुखी नहीं रहता। कोई सुखी तो कोई दुखी है। आखिर सुख और दुख क्या है।हमारे शास्त्रकार कहते हैं कि जो इंद्रियों और मन के अनुकूल हो, वह सुख है और जो प्रतिकूल लगे वह दुख है। भगवान हमारे हाथ में रोज सुबह एक सोने का सिक्का देते हैं जिसका हमें दिन भर अपने मन के मुताबिक उपयोग करना है, लेकिन इस सिक्के को कोई सुख खरीदने में उपयोग करता है, कोई दुख खरीदने में, तो कोई लापरवाही के कारण बिना सिक्का खर्च किए लौट आता है। भगवान का यह सिक्का हमारे रोजाना के दिन हैं। कुछ लोग बाहरी चीजों में अपना सुख खोजते हैं, लेकिन इस चक्कर में वे दुख के जाल में उलझकर रह जाते हैं।

साथियों बात अगर हम दलाईलामा की प्रेरणा की करें तो, उन्होंने सुखी होने के लिए दूसरों के प्रति संवेदनशील होने की बात कही है।

सब कुछ आपका!

किसी और से उम्मीद ना करें,
स्वयं से अपेक्षा रखें,
खुदा पर भरोसा रखें,
दिल में हिम्मत रख सके,
फिर सब कुछ आपका!

इंसानियत जुनून के साथ निभाए,
उदारता स्वयं में लेकर आए,
इस प्रकृति को महसूस करें,
हो जाए हर उलझन से परे,
फिर सब कुछ आपका!

अपनी अंतरात्मा को जाने,
स्वयं से ना करे बहाने,
हो स्वयं में आत्मनिर्भर,आत्म सम्मान, आत्मबल और स्वाभिमान
फिर सब कुछ आपका!

तुलना करना छोड़ कर,
दिमाग को खोल कर,
बुद्धि और संकल्प के साथ,
मुस्कुराहट और शांति से करें बात,
फिर सब कुछ आपका!

यह प्रकृति आपकी,
वह ईश्वर आपका,
मन की शक्ति आपकी,
महसूस करो तो समस्त ब्रह्मांड आपका, जी, सब कुछ आपका!!

शार्ट न्यूज

पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल की बढ़ती मुश्किलें, आवास पर चला बुलडोजर

सहारनपुर। पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू लगातार जारी है। हाजी इकबाल के आवास पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। एसडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवास पर तोड़फोड़ की। जिंसके बाद खलबली मच गई। सोमवार दोपहर एक बजे एसडीए की टीम हाजी इकबाल के छोटे भाई पूर्व एमएलसी महमूद के आवास पर पहुंची। टीम ने मकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। मकान के मुख्य गेट और छज्जे को जमीदोज कर दिया गया। एसडीए की सचिव व एसडीएम सदर किंशुक श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। हाजी इकबाल के खिलाफ कार्रवाई से खलबली मच गई है। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात रही।

दहेज हत्या के आरोप में बंद ससुर ने जेल में की आत्महत्या, बैरक के बाहर फांसी पर झूला

मथुरा। दहेज हत्या के मामले में मथुरा की जिला जेल में बंद एक शख्स ने बैरक संख्या 7 के बाहर पिलर पर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बंदी के फांसी लगाकर खुदकुशी कर लेने की सूचना फैलते ही जेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया। जिस बंदी ने फांसी लगाकर जान दी है, उसका नाम हरीसिंह पुत्र धर्मसिंह निवासी मडौरा बलदेव है। हरीसिंह अपनी बहू की दहेज की खातिर हत्या करने के आरोप में 23 मई 2021 से जेल में था। उसकी पत्नी और बेटा भी जेल में बंद हैं। जेल अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि हरीसिंह ने जैसे ही फांसी लगाई तो दूसरे बंदियों ने उसे फंदे उतारा और जेल अस्पताल लेकर पहुंचे, तब उसकी सांस चल रही थी। जिला अस्पताल लेकर जाते समय उसने रास्ते में दम तोड़ दिया।

गरीबों के इलाज ब्लाक स्तर पर चल रहे हैं साप्ताहिक अयोग्य मेला : गिरीश चन्द यादव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद यादव ने रविवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रामपुर स्वास्थ्य केंद्र पर जन आरोग्य मेला का शुभारंभ करते हुए कहा कि हर रविवार को प्रदेश सरकार हर ब्लॉक के सीएससी पर जनआरोग्य मेरा लगाती है, जिसमें सभी प्रकार के दवाइयां निशुल्क वितरित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि इस मेले में आंखों की जांच सहित सभी प्रकार की जांच की जायेगी। इसके लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लगेगा। सभी अपना इलाज करा सकते हैं। मंत्री ने मेले में उपस्थित स्वास्थ्य अधिकारियों को इस बात का निर्देश दिया कि इस आरोग्य आरोग्य मेले की जानकारी अगल-बगल के आसपास के सभी गांव में दें। जिससे वहां के लोग लाभान्वित हो सके और अपना इलाज व जांच भी करा सके। इस दौरान मेले में आई गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी की गई। इसमें उनको समुचित आहार का एक पैकेट राज्य मंत्री द्वारा दिया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी लक्ष्मी सिंह ने गर्भवती महिलाओं का स्वागत किया। आरोग्य मेले में राज्य मंत्री द्वारा आयुष्मान कार्ड भी बांटा गया।

कानपुर हिंसा में बिल्डर हाजी वसी का बेटा गिरफ्तार

कानपुर। नई सड़क हिंसा के आरोपी कानपुर के बड़े बिल्डरों में शामिल हाजी वसी के बेटे अब्दुल रहमान को पुलिस ने रविवार रात में गिरफ्तार कर लिया है। रहमान भी हिंसा भड़काने और फंडिंग का आरोपी है। पिता का सारा काम बेटा ही देखता है। अवैध बिल्डिंग बनाने से लेकर हिंसा को भड़काने में पिता और पुत्र बराबर के आरोपी हैं। हाजी वसी की गिरफ्तारी के लिए रहमान पर लगातार शिकंजा कस रही पुलिस की एसआईटी ने रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया है कि रहमान के जरिए ही बिल्डर हाजी वसी ने हिंसा के मुख्य आरोपियों हयात जफर समेत अन्य को फंडिंग की थी। रहमान ही वसी के सारे बैंक अकाउंट, प्रॉपर्टी और कंस्ट्रक्शन का कारोबार देखता है। हाजी वसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने रहमान से पूछताछ के आधार पर कई ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने रहमान को अरेस्ट कर लिया। एनबीडब्ल्यू के बाद हाजी वसी के घर की कुर्की की तैयारी पुलिस ने शुरू कर दी है। अगर हाजी वसी ने सरेंडर नहीं किया, तो संपत्ति कुर्क कर दी जाएगी। पुलिस ने हाजी वसी के बेटे की कॉल डिटेल चेक की, तो शहर के कई रासूखदार और प्रतिष्ठित लोगों के नाम सामने आए। ये लोग हाजी वसी और उसके बेटे को बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। इस तरह के लोगों का भी कच्चा चिट्ठा पुलिस कमिश्नर ने खंगालने का आदेश दिया है। अगर किसी को भूमिका सामने आई, तो उसे भी साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

धर्म परिवर्तन कराकर निकाह के बाद गैंगरेप कराने वाला अरेस्ट, अन्य आरोपियों की तलाश

गोंडा। गोंडा के क्षेत्र की युवती का धर्म परिवर्तन कराकर निकाह करने और विरोध पर गैंगरेप के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले के अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। फिलहाल मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है। उसके संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। बीते 14 जून को शौच के लिए गई युवती को कुछ सुंघाकर दूसरे संप्रदाय के युवक ने अगवा कर लिया था। अचेतावस्था में उसे मुम्बई ले जाया गया। आरोप है कि वहां हाफिज बुलाकर पहले युवती का धर्म बदलवाया गया फिर निकाह करा दिया। युवती ने जब इसका विरोध किया तो जावेद नाम के युवक ने पहले उसकी पिटाई की। बाद में विभिन्न स्थलों पर ले जाकर खुद और तीन अन्य परिचितों के साथ मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया। अपहर्ता पीड़ित युवती को बीते 23 जून को करनैलगंज रेलवे स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गए। घर पहुंच कर युवती ने परिजनों को आपबीती सुनाई। एसपी संतोष मिश्र के हस्तक्षेप पर परसपुर पुलिस ने युवती के पिता के तहरीर पर 30 जून को मुकदमा दर्ज किया था। इंस्पेक्टर शमशेर बहादुर सिंह ने बताया ग्राम सकरौर पठान पुरवा निवासी जावेद पुत्र तैज्जमुल, बहादुर पुत्र तफज्जुल उर्फ फज्जी, महमूद पुत्र खानू व इबरार पुत्र खल्लू के विरुद्ध मारपीट, गैंगरेप सहित कई संगीन धाराओं केस दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी मोहम्मद अहमद उर्फ बहादुर पुत्र तफज्जुल को गिरफ्तार करके न्यायालय रवाना किया गया है।

सड़क हादसे में 2 की मौत : तेज रफ्तार ईको कार ने बाइक सवार समेत 4 को रौंदा, 2 गंभीर

सहसवान, बदायूं। बदायूं में सोमवार को तेज रफ्तार कार ने चार लोगों को रौंद दिया। दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। मरने वालों में एक किशोर और एक युवती है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसा सहसवान कोतवाली क्षेत्र के बदायूं-मेरठ हाईवे पर हुआ है। ग्राम असोली का रहने वाला फुरकान पुत्र इरफान अपनी मौसी जरीना और उसकी बेटी नगमा के साथ बाइक से सहसवान आया था। काम खत्म होने के बाद तीनों घर वापस लौट रहे थे। तीनों के साथ ही मोहल्ला पट्टी यकीन का रिजवान (14) पुत्र वाहिद भी हाईवे क्रॉस करने को खड़े थे। गुन्नौर की ओर से आ रही तेज रफ्तार ईको कार ने चारों को रौंद दिया। हादसे में रिजवान और नगमा की मौके पर ही मौत हो गई। फुरकान और जरीना गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। सहसवान कोतवाल ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी का 7 जुलाई को वाराणसी दौरा

एयरपोर्ट पर एसपीजी आईजी ने की हाई लेवल मीटिंग

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 जुलाई को वाराणसी आ रहे हैं। एक दिन के दौरे पर आ रहे पीएम वाराणसी को 1817 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे।

वह यहां एक जनसभा को सम्बोधित भी करेंगे। पीएम के दौरे के मद्देनजर आज एसपीजी की टीम वाराणसी के बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंची। एसपीजी आईजी एस सुरेश ने एयरपोर्ट पर मौजूद सभी सुरक्षा एजेंसियों, एयरलाइंस, एटीसी, इंडियन ऑयल्स और एयरपोर्ट एथॉरिटी के साथ सुरक्षा को लेकर एक

हाईलेवल मीटिंग की। बैठक में आईबी के अधिकारी, सीआईएसएफ के सीनियर कमांडेंट अजय कुमार, निदेशक अर्यमा सान्याल, एटीसी के अधिकारी, इंडियन ऑयल के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों सहित सुरक्षा से सम्बंधित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एएसएल (एडवांस सिक्योरिटी लाइजनिंग) की बैठक के दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर आगंतुक पास परिसर में घूमने वाले अवांछित तत्वों पर विशेष निगरानी करने के लिए स्थानीय पुलिस और सीआईएसफ के जवानों को निर्देशित किया।

एयरपोर्ट भवन के कॉन्फ्रेंस हाल में उच्चाधिकारियों की इस बैठक में रनवे, टर्मिनल भवन एप्रन सहित सभी सुरक्षा पहलुओं पर विचार विमर्श हुआ।

7 जुलाई को वाराणसी आएंगे पीएम मोदी, अरबों की देंगे सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात जुलाई को वाराणसी आ रहे हैं। एक दिन के दौरे पर आ रहे पीएम वाराणसी को 1817 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार पहुंच रहे प्रधानमंत्री वहीं एक सभा को संबोधित भी करेंगे। इसके साथ शिक्षा मंत्रालय की ओर सिगरा के अन्तरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर 'रुद्राक्ष' में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

काशी के बिंदु माधव में नमाज बंद करने की मांग, सुनवाई 20 अगस्त तक टली

वाराणसी। वाराणसी में ज्ञानवापी के साथ ही गंगा किनारे पचगंगा घाट पर स्थित बिंदु माधव के मामले की भी सुनवाई हुई। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) आकाश वर्मा की कोर्ट ने सुनवाई के बाद मामला 20 अगस्त तक टल दिया है।

गायघाट निवासी अतुल कुल सहित पांच अन्य की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने सिविल जज (जूडि) की अदालत में वाद दाखिल कर कहा है कि कई हजार वर्ष से पंच गंगा घाट स्थित प्राचीन बिंदु माधव मंदिर, जो माधवराव का धरहरा मस्जिद के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर प्रसिद्ध भगवान विष्णु का मंदिर स्थापित था। उसमें हिंदू पूजा-पाठ, दर्शन व आरती करते थे। उसमें वादीगण व हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों को पूजा-अर्चना की इजाजत दी जाए। यह भी कहा गया है कि प्रतिवादीगण व उनके सम्प्रदाय से जुड़े लोगों को न ही बिंदु माधव स्थल पर अनाधिकृत रूप से नमाज पढ़ने की अनुमति दी जाए बल्कि उनके मुगलीय धार्मिक कार्य करने से निषिद्ध किया जाए। वादीगण अथवा उनके धर्म सेजुड़े लोगों के पूजन-अर्चन में किसी तरह का व्यवधान न डालें। न ही धार्मिक उन्माद पैदा करें।

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि वाराणसी गजेटियर 1965के अनुसार पृष्ठ संख्या-57 पर काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ ही बिंदु माधव मंदिर को भी औरंगजेब के आदेश पर तोड़ा गया था।

लखनऊ में पाकिस्तान के जासूस को पांच साल की जेल

सेना के मूवमेंट की जानकारी देता था आफताब

लखनऊ। सेना की प्रतिबंधित, गोपनीय एवं महत्वपूर्ण सूचनाओं को पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई को भेजने के आरोपी आफताब अली को एटीएस के विशेष न्यायाधीश मोहम्मद ग़ज़ाली ने पांच साल तीन माह की कैद और 4800 रुपए के जुर्माने सजा सुनाई है।

अदालत के समक्ष एनआईए के विशेष अधिवक्ता एमके सिंह का तर्क था कि एटीएस को पता चला कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए यहां रहने वाले कई लोगों को पैसे देने का प्रलोभन देकर खुफिया सूचना देने के काम पर लगाया है। ये वे लोग हैं जिनकी रिश्तेदारियां पाकिस्तान में हैं। ऐसे लोगों को धर्म के आधार पर,शादी का लोभ देकर और पैसे देने का प्रलोभन देकर काम पर लगाया जाता था। पता चला कि अयोध्या निवासी आफताब अली ने फर्जी नाम-पते पर मोबाइल सिम लेकर सेना के प्रतिबंधित, गोपनीय एवं महत्वपूर्ण सूचनाओं को आईएसआई को भेजा है। आफताब अयोध्या और लखनऊ में सेना के मूवमेंट, बटालियन की नियुक्ति, ट्रेन से जा रही सेना के रेजिमेंट का समय भी बता रहा था।

इसके एवज में आईएसआई आरोपी को उसके विजया बैंक खाते में पैसा देती थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद अदालत ने आरोपी को कारावास एवं जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

एलएलबी छात्र हत्याकांड : मुख्य आरोपी की फैक्ट्री सील

मेरठ। मेरठ में मेडिकल थाने की पुलिस ने एलएलबी छात्र यश रस्तोगी के हत्या के मामले में मुख्य आरोपी सावेज अंसारी की फैक्ट्री पर सील लगाई। पुलिस का कहना है कि इसी फैक्ट्री में यश रस्तोगी की हत्या की गई थी। इंस्पेक्टर ने कहा कि तीनों हत्यारों पर गैंगस्टर एक्ट के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद इसकी फैक्टरी पर बुलडोजर चलाया जाएगा। पुलिस ने आगे बताया गया कि लिसाड़ी गेट के रहने वाले शाहवेज अंसारी ने जागृति विहार सेक्टर 6 के रहने वाले यश रस्तोगी की गला दबाकर हत्या कर दी थी । शव को नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से शव को नाले से बरामद किया था । हत्यारोपी सावेज अंसारी और उसके दो साथी सलमान ओर अलीजान को गिरफ्तार कर लिया था।

गाजीपुर : संपत्ति में बंटवारे से नाराज बेटे और पोते ने बुजुर्ग को उतारा मौत के घाट

गाजीपुर। गाजीपुर में भांवरकोल थाना क्षेत्र के लोचाईन गांव में बीती रात जमीन के विवाद को लेकर बड़े बेटे ने पिता की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर हत्यारोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लोचाईन गांव के निवासी रामकरण यादव (85) ने अपने दो बेटों श्रीकांत और मंजीत यादव में संपत्ति का बंटवारा कर दिया था। वह छोटे बेटे मंजीत के साथ रह रहे थे। बंटवारे को लेकर बड़े बेटे श्रीकांत यादव के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार रात पिता रामकरण यादव अपने डेरे पर थे।

मंजीत यादव का बेटा खाना लेकर डेरे

पर पहुंचा तो देखा की श्रीकांत यादव और उनका बेटा जयशंकर उसको देखकर भागने लगे। डेरे पर पहुंचा तो बाबा की खून से लथपथ लाश पड़ी देखकर शोर मचाया।

शोर सुनकर परिजन और ग्रामीण भी पहुंच गए। सूचना पर थानाध्यक्ष वागिश विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष वागिश विक्रम सिंह ने बताया कि इस मामले में मृतक के छोटे बेटे मंजीत यादव की तहरीर पर उसके भाई और भतीजे के खिलाफ हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में गांव के आधा दर्जन संदिग्ध लोगों को उठाकर थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। जांच की जा रही है। नामजद आरोपितों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिए जाएगा। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सिद्धार्थनगर में 16 शिक्षक 2 शिक्षामित्र वर्षों से चल रहे गैरहाजिर

ऐक्शन के लिए अब विभाग ने किया तलब

एजेंसी

सिद्धार्थनगर। बेसिक शिक्षा विभाग में गजब का खेल चल रहा है। सिद्धार्थनगर के अलग-अलग विद्यालयों में तैनात 16 शिक्षक व दो शिक्षामित्रों ने दो-चार दिन नहीं, वर्षों से स्कूल का मुंह ही नहीं देखा है। कोई सालभर से, कोई दो वर्ष तो कोई छह-छह साल से स्कूल नहीं पहुंचा। कमाल यह है कि ये फिर भी सेवा में बने हैं। ताज्जुब यह है कि इतने वर्ष बाद भी इनके खिलाफ निलंबन-बर्खास्तगी सहित कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब विभाग ने इन्हें पत्रावलियों के साथ तलब किया है।

फर्जी शिक्षकों पर कार्रवाई अभी पूरी नहीं हो पाई है और नए मामले सामने आते जा रहे हैं। बीएसए देवेंद्र कुमार पांडेय ने मार्च 2022 में जिले के सभी बीईओ को पत्र भेजकर नदारद शिक्षकों की सूचना मांगी तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जिले के छह ब्लॉकों में 16 शिक्षक व दो शिक्षामित्र वर्षों से स्कूल ही नहीं आए। दो-चार साल से लेकर कई शिक्षक 2016 से गायब हैं। इनमें सर्वाधिक सात शिक्षक सिद्धार्थनगर के रहने वाले हैं। बाकी गोरखपुर-बस्ती के तीन-तीन, मैनपुरी के दो, जालौन, देवरिया व बलिया निवासी एक-एक शिक्षक शामिल है। संबंधित स्कूलों के बच्चों का भविष्य जहां अधर में है, वहीं कागजों में इनकी तैनाती बने रहने से दूसरों के लिए पद भी रिक्त नहीं हो रहा है। शिक्षकों के साथ बीईओ भी संदेह के घेरे में फरार चल रहे शिक्षकों के फर्जी होने की आशंका जताई जा रही है। दूसरे, बड़ी बात यह है कि बीएसए कार्यालय को नदारद शिक्षकों की सूचना ही नहीं थी। इससे बीईओ की कार्यशैली संदेह के घेरे में आ गई है। बीएसए ने सभी शिक्षकों को नोटिस थमाते हुए अनुपस्थिति के सुसंगत साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण तलब किया है। इसके अलावा समस्त शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अंकपत्र, प्रमाण पत्र, नियुक्ति पत्र, पदोन्नित आदेश, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एवं सेवा पुस्तिका की प्रमाणित छाया प्रति के साथ बीएसए कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। बीएसए ने बीईओ को भी पत्र लिखकर नदारद शिक्षकों के समस्त अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

अभी तक कार्रवाई नहीं

नियमानुसार ब्लॉकों को नदारद शिक्षकों की जानकारी होते ही बीएसए कार्यालय को सूचना से अवगत कराते हुए शिक्षक को नोटिस देकर जवाब-तलब करना चाहिए था। जवाब संतोषजनक होने पर बीएसए स्तर से विचार किया जाता है। दोबारा जवाब-तलब किया जा सकता है। इसके बाद भी संतुष्ट न होने पर निलंबित करते हुए अन्य विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया है। लेकिन आज तक इन शिक्षकों/शिक्षामित्रों पर कार्रवाई नहीं हुई।

सुल्तानपुर में किसान की भूमिका में नजर आई मेनका गांधी

सुल्तानपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी सुल्तानपुर के दौरे पर हैं। इस बीच जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के जासापारा में सांसद पहुंची तो वहां गांव की महिलाएं धान रोप रही थी। सांसद ने गाड़ी रुकवाया और सीधे खेत में पहुंचकर वो स्वंय धान की रोपाई करने लगी। जिसका वीडियो भी सामने आया है। मेनका गांधी खेत के किनारे जमीन में बैठ गई और उन्होंने धान के पौधे लेकर हाथों से रोपना शुरू कर दिया। जिस पर वहां मौजूद हर एक ने उनकी प्रशंसा की।

बता दें कि मेनका गांधी रविवार रात सुल्तानपुर पहुंची हैं। सुल्तानपुर में मीडिया से बात करते हुए मेनका गांधी ने सरकार की नौकरी पॉलिसी की सराहना किया। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी बात है, अगर हर घर में नौकरी मिल जाए तो कितनी अच्छी बात है। वहीं पॉलीथीन रोक पर उन्होंने कहा कि 2हजार दफा बकवास किया जा रहा है। आपको करना है तो बंद करवाईए। लोगो को कहना कि मत इस्तेमाल करो यह आप 40 साल से बोल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जहां-जहां से हम हारे हैं वहां पार्टी के 6 वरिष्ठ लोगो को जिम्मेदारी दी गई है कि वो घूम कर देखें। मैं उन सबसे मिली हूं। दूसरा आप देख रहे हम वही जा रहे हैं जहां हम हारे हैं। जहां हम पार्टी को तगड़ा कर सकते हैं वहां पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें लगता है अच्छा किया जा सकता है।

जनविश्वास की प्रतीक भाजपा स्थापित कर रही है नये आयाम : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जन विश्वास की प्रतीक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार नित्य नये आयाम स्थापित कर रही है जबकि परिवारवाद और जातिवाद की पोषक समाजवादी पार्टी (सपा),बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस लगातार सिमटती चली जा रही है। अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल का 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुये योगी ने लोकभवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर जिस उद्देश्य के साथ अपना आशीर्वाद दिया था, वह जीत का सिलसिला जन विश्वास का प्रतीक नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश के स्थानीय प्राधिकार के चुनाव 36 सीटों पर संपन्न हुए जिसमें से 33 सीटें भाजपा जीती जबकि तीन सीटें निर्दलीयों ने जीती। बसपा,सपा और कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। 87 वर्षों बाद यह पहला मौका है जब उत्तर प्रदेश में उच्च सदन कांग्रेस विहीन हुआ। इस दौरान आजमगढ और रामपुर में हुये उप चुनाव में जनता ने भाजपा को अपना आशीर्वाद दिया। ये दोनो सीटे सपा के पास थी। उन्होने कहा कि 25 मार्च को सरकार के दूसरे कार्यकाल में हमने शपथ लिया। 37 साल बाद प्रदेश में यह मौका आया था जब किसी सरकार ने अपने पांच साल पूरा करने के बाद दूसरी बार शपथ ली।

सुल्तानपुर : अवैध संबंधों में रोड़ा बनने पर हुई थी मां-बेटी की हत्या, दो हफ्ते पहले रची थी साजिश

सुलतानपुर। सुलतानपुर में लम्भुआ स्टेशन रोड पर 28 जून को रामसुख के घर पर उनकी 21 वर्षीय बेटी और 45 वर्षीय पत्नी की लोहे के राड तथा धारदार हथियार से हत्या की गई थी। हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि मृतका के साथ व्यक्तिगत सम्बंध का बेटी और पति रामसुख द्वारा विरोध करने पर अभियुक्तों ने दो सप्ताह पहले हत्या की योजना बनाई थी।

पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने बताया कि मृतक महिला के भाई की तहरीर पर मुकदमा अपराध संख्या 223/2022 धारा 302, 120 बी भादवि पंजीकृत कर हत्याकांड के खुलासे के लिए मंगलवार को चार टीमों का गठन किया

गया था। मुकदमे की विवेचना के दौरान पुलिस ने इरफान,सदान उर्फ नादान और शहबाज को गिरफ्तार किया।

उनसे पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त इरफान मृतका और उसकी पुत्री से परिचित था। इरफान से महिला के संबंध का बेटी एवं महिला के पति द्वारा विरोध करने पर अभियुक्त ने दो सप्ताह पहले हत्या करने की योजना बनाई। उसी क्रम में अभियुक्त ने पहले चॉपर फिर लोहे का रॉड खरीदा। मंगलवार को दोपहर में तीनों मृतका के घर में प्रवेश करने के बाद पहले अकेली बेटी की हत्या की, उसके बाद उसकी मां के आ जाने पर उसकी भी हत्या कर फरार हो गए।

पुलिस मुठभेड़ में अभियुक्त इरफान घायल

दो जुलाई को आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस जब अपराध में प्रयुक्त हथियार तथा उस समय अभियुक्तों द्वारा पहने हुए कपड़ों की बरामदगी के लिए अभियुक्त इरफान को लेकर जा रही थी तो एक स्थान पर अभियुक्त इरफान ने पहले से छुपाकर रखा 315 बोर का कट्टे निकाला एवं पुलिस कस्टडी से भागने के लिए पुलिस पार्टी पर कई राउण्ड फायर किया।

इसमें हेड कांस्टेबिल शैलेन्द्र सिंह गोली लगने से घायल हो गये। पुलिस द्वारा भी अपने बचाव में फायरिंग की गई, इससे अभियुक्त इरफान के पैर में गोली लगी । पुलिस घायल सिपाही और इरफान को लम्भुआ सीएचसी में ले गई। जहां से दोनों को जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। डाक्टर ने बताया गया कि दोनों की हालत स्थिर बनी हुयी है ।

12 साल के कैंसर मरीज को एक दिन के लिए बनाया प्रयागराज पुलिस का एडीजी

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने दिल को छू लेने वाली घटना में 12 वर्षीय कैंसर रोगी को एक दिन के लिए जिले के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) बनाया। एडीजी (प्रयागराज जोन) प्रेम प्रकाश ने कहा कि कैंसर से पीड़ित हर्ष दुबे का मनोबल बढ़ाने के लिए ऐसा किया गया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले लड़के को एक बॉडी किट भी भेंट की गई। एडीजी की कुर्सी पर बैठे 12 वर्षीय ने पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में सवाल पूछे और दस्तावेजों को भी खंगाला। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों ने भी उन्हें सलामी दी। शीर्ष पुलिस अधिकारियों

ने छोटे एडीजी के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। हर्ष के पिता संजय दुबे ई-रिक्शा चालक हैं। जब उन्होंने देखा कि उनका बेटा एडीजी की कुर्सी पर बैठा है तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस बारे में एडीजी प्रेम प्रकाश ने कहा कि जब मुझे शहर में कैंसर रोगियों की मदद करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से कैंसर से पीड़ित 12 वर्षीय लड़के की दुर्दशा के बारे में पता चला, तो मैंने नाबालिग लड़के का मनोबल बढ़ाने के उपाय करने का फैसला किया। हर्ष ने अपने कार्यालय में एडीजी रैंक के पुलिस अधिकारियों द्वारा किए जा रहे सभी कार्यों को किया।

मुंबई के फल व्यापारी को वाराणसी में गोली मारी, भतीजे की शादी में आया था

वाराणसी। वाराणसी के शिवपुर इलाके में सोमवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना हुई। मुंबई के एक फल व्यापारी को दिन दहाड़े बदमाश गोली मारकर फरार हो गए। हैरानी की बात है कि बाइक सवार बदमाशों ने पहले घर का गेट खुलवाया और गोली मारकर वहां से भाग गए। घटना शिवपुर थानाक्षेत्र के शास्त्रिधाम कालोनी इंद्रपुर खोरी कादीपुर की है। थाना शिवपुर के निवासी 70 वर्षीय बालचंद्र चौधरी के घर में भतीजे की दूसरी शादी थी। शादी शिवपुर के अष्टभुजी मंदिर से होने वाली थी। मांगलिक कार्यक्रम के लिए रिश्तेदार घर में जमा थे। घर के लोग शादी के लिए तैयार हो रहे थे। वहीं सुबह नौ बजे घर में मातम फैल गया। दो बाइक पर सवार चार बदमाश उनके घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाया। दरवाजे के खटखटाने की आवाज सुनकर 70 वर्षीय बालचंद्र चौधरी गेट खोलने के लिए आए। गेट खुलते ही बदमाशों ने उनपर तीन राउंड गोली फायर की। बदमाशों ने उनके मुंह पर गोली दागी। गोली बुजुर्ग के जबड़े में लगी और वो वहीं गिर गए। गोली की आवाज सुनकर घर वाले बाहर आए तब तक बदमाश वहां से फरार हो गए। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई जो घायल बालचंद्र को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। वहीं मामले की जांच के लिए एसपी कैंट समेत शिवपुर के सभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूछताछ में बालचंद्र के परिवार वालों ने बताया कि आज पीड़ित के भतीजे, महेश चौधरी की दूसरी शादी थी जो अष्टभुजी मंदिर से होने वाली थी। शादी की तैयारियों के बीच बदमाशों ने बालचंद्र पर हमला किया। बालचंद्र चौधरी मुंबई में फूट चाट और फल की दुकान चलाते हैं। उनकी दो शादी हुई हैं और मुंबई में दोनों पत्नियों सरस्वती देवी और चंपा देवी के साथ रहते हैं। बालचंद्र साल में दो बार वाराणसी स्थित घर आते हैं।

गुजरात, कर्नाटक स्टार्ट-अप इकाइयों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ' राज्य

नयी दिल्ली। स्टार्ट-अप इकाइयों के लिए फलने-फूलने का पारिस्थितिकी तंत्र सुलभ कराने के मामले में गुजरात और कर्नाटक राज्यों की एक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य घोषित किए गए हैं। राज्यों की एक ताजा रैंकिंग में दिल्ली को भी इस श्रेणी में स्थान दिया गया है।

केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना को राज्यों में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता की श्रेणी में रखा गया है।

मेघालय केंद्र शासित प्रदेश और पूर्वोत्तर (एनई) राज्यों में सर्वश्रेष्ठ है जबकि जम्मू-कश्मीर शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा है।

स्टार्ट-अप इकाइयों के अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन देने के विषय में राज्यों की रैंकिंग के तीसरे संस्करण के परिणाम सोमवार को नयी दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने जारी किए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस रिपोर्ट में राज्यों को उनके कार्यों की दृष्टि से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पांच श्रेणियों-बेस्ट परफॉर्मर्स (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला), टॉप परफॉर्मर्स (शीर्ष प्रदर्शन करने वाला, लीडर्स (अग्रणी), आकांक्षी अग्रणी और इमर्जिंग स्टार्ट-अप इकोसिस्टम (उभरते पारिस्थितिकी तंत्र) में वर्गीकृत किया गया है।

असम, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य का दर्जा दिया गया है, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश और गोवा ने केंद्र शासित प्रदेशों और पूर्वोत्तर राज्यों की श्रेणी में 'अग्रणी' घोषित किया गया है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान को राज्यों के बीच आकांक्षी अग्रणी घोषित किया गया है।

चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, पुडुचेरी और त्रिपुरा केंद्र शासित प्रदेशों और पूर्वोत्तर राज्यों के 'आकांक्षी अग्रणी' प्रदर्शनकर्ता हैं। राज्यों की श्रेणी से आंध्र प्रदेश और बिहार और केंद्र शासित प्रदेशों / पूर्वोत्तर राज्यों से मिजोरम और लद्दाख को उभरते पारिस्थितिकी तंत्र के तहत वर्गीकृत किया गया है।

राज्यों को इन सम्मान की घोषणा के बाद श्री गोयल ने कहा कि देश में विकसित किए जा रहे ओएनडीसी (डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क) के पास हजारों स्टार्ट-अप को जन्म देने की शक्ति है।

भारत का निर्यात जून में 17 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटा 25.63 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामानऔर रेडीमेड कपड़ों की विदेशों से अच्छी मांग के बीच भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जून 2022 में सालाना आधार पर 16.87 प्रतिशत बढ़कर 37.94 अरब डॉलर हो गया। पिछले वर्ष इसी माह निर्यात 32.49 अरब बिलियन डॉलर था।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी प्रारंभिक व्यापार आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 में आयात 51.02 प्रतिशत उछल कर 63.58 अरब डॉलर हो गया जबकि जून 2021 में यह 42 अरब डॉलर था। आयात में अपेक्षाकृत तेज उछाल के चलते जून 2022 में व्यापार घाटा 25.63 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर रहा, जबकि जून 2021 में व्यापार घाटा 9.61 अरब डॉलर था।

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान व्यापार घाटा दोगुना से अधिक हो कर 30 अरब डालर से अधिक होने जा रहा है जो पिछली तिमाही में 13 अरब डालर था।

जून में गैर-पेट्रोलियम निर्यात 30.12 बिलियन अरब डॉलर था, जो जून के 28.54 अरब डालर की तुलना में 5.53 प्रतिशत अधिक है।

जून 2022 में गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्न और आभूषण निर्यात का 26.75 अरब डॉलर था, जो जून 2021 में 25.72 अरब डालर से चार प्रतिशत अधिक है।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा,'' इस दौरान पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात में (98.01 प्रतिशत), इलेक्ट्रॉनिक सामान (50.66 प्रतिशत) और रेडीमेड गार्मेंट सहित सभी प्रकर के वस्त्रों के निर्यात में (44.67प्रतिशत) की अच्छी वृद्धि से जून 2022 के दौरान निर्यात में अच्छी वृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ।

इस दौरान इंजीनियरिंग सामान का निर्यात में 1.57 प्रतिशत गिरकर 9.14 अरब डॉलर रहा जो कि जून 2021 में 9.29 अरब डॉलर था जो देश से वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में इंजीनियरिंग सामानों योगदान लगभग एक-चौथाई रहता है।

भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात सवर्धन परिषद (ईईपीसी इंडिया) के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी का मुख्य कारण रूस-यूक्रेन युद्ध से व्यापार में कमी आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाधाओं के नकारात्मक प्रभाव के परिणामस्वरूप इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात प्रभावित हुआ है।

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के अध्यक्ष डा ए शक्तिवेल ने कहा कि इस समय उत्पन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों में भी भारत के निर्यात में करीब 17 प्रतिशत की वृद्धि देश के निर्यात क्षेत्र की आंतिक शक्ति और जुझारूपन का प्रमाण है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम की कीमतों में उछाल से भारत का पेट्रोलियम, कच्चे तेल और उत्पादों का आयात जून 2021 के 10.67 अरब डालर की तुलना में जून 2022 में दोगुना होकर 20.73 अरब डॉलर हो गया।इस दौरान कोयले, कोक और ब्रिकेट का आयात 242 प्रतिशत उछल कर बढ़कर 6.41 अरब डॉलर हो गया जो कि जून 2021 में 1.87 अरब डॉलर था।

जून 2022 में सोने का आयात 169 प्रतिशत बढ़कर 2.61 अरब डॉलर हो गया, जो जून 2021 में 96.9 करोड़ डॉलर था।

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन के 20 वर्ष पूरे, आगे हरित भविष्य पर जोर

नयी दिल्ली। राजधानी में विद्युत वितरण के क्षेत्र में 20 वर्ष पूरी कर चुकी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लि. ने अपने आप को 'हरित भविष्य की ओर उन्मुख' कंपनी के रूप में स्थापित करने का अभियान शुरू किया है।

कंपनी ने कहा है कि इस अभियान के तहत कंपनी ने सहायक खपत के लिए 100 प्रतिशत स्वच्छा ऊर्जा और उपभोक ?ताओं के लिए 50 स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति तथा आपूर्तिकर्ताओं के छोर पर कार्बन उत्सर्जन की छाप कम करने के लिए हरित आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना करना है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा,''हम नई पहचान के साथ, ब्रांड सस्टैनेबिलिटी, ग्रीन पावर के साथ ऊर्जा मिश्रण में हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं। यह अपने कर्मचारियों, उपभोक्ताओं, व्यावसायिक भागीदारों और अन्य सभी हितधारकों के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता का हमारा वादा है।''

जिला स्तर पर स्टार्ट-अप के लिए सहायता तंत्र के विकास की जरूरत : गोयल

एजेंसी

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को सभी स्टार्ट-अप संबंधित योजनाओं की मदद से जिलों में स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

श्री गोयल स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के मामले में राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों की रैंकिंग की नयी दिल्ली में रिपोर्ट जारी करने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस बार की रिपोर्ट में गुजरात, कर्नाटक में स्टार्ट-अप इकाइयों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य' का सम्मान दिया गया है।

श्री गोयल ने अधिक स्टार्ट-अप को संगठित पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनाने और उनको पंजीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट के मैदान का लोकतंत्रीकरण किया, उसी तरह स्टार्ट-अप इकोसिस्टम का लोकतंत्रीकरण करने का एक शानदार अवसर है।

श्री गोयल ने कहा कि ओएनडीसी (डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क) के पास हजारों स्टार्ट-अप को जन्म देने की शक्ति है। भारत में यूपीआई को जो बड़ी सफलता मिली है, उसने भारत में भुगतान प्रणाली को लोकतांत्रिक बना दिया है। अगले पांच वर्षों में, हम ओएनडीसी पूरे भारत में ई-कॉमर्स का इतना अधिक लोकतंत्रीकरण करेंगे कि हमारे पास कुछ हजार स्टार्ट-अप होंगे और यूनिकॉर्न (एक अरब डालर से अधिक की हैसियत वाली स्टार्टअप इकाइयों) की संख्या सैकड़ों में हो सकती है।

श्री गोयल ने कहा, देश में 100 अरब डालर की तीन या एक हजार अरब डालर की एक कंपनी के बजाय आपके पास एक अरब डॉलर की एक हजार कंपनियां होंगी। ओएनडीसी के पास इस तरह के अवसर उपलब्ध कराने की संभावित शक्ति है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को तेजी रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी (लिवाली) बढ़ने से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीसरे शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 326.84 अंक करीब 0.62 फीसदी बढ़कर 53,234.77 अंक पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान एक समय बढ़त 394.06 अंक तक पहुंच गयी थी। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी कारोबार के अंत में 83.30 अंक तकरीबन 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,835.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, पावरग्रिड और एसबीआई के शेयर बढ़े हैं जबकि टीसीएस, टाटा स्टील और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर गिरे हैं। कारोबार के दौरान एचयूएल, ब्रिटेनिया , इंडसइंड बैंक, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंके के शेयर उछल जबकि जबकि जेएसडब्लू स्टील, ओएनजीसी, टीसीएस, टाटा स्टील और सिपला के शेयर बढ़े हैं। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त पर रहे जबकि दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। वहीं यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बंद रहे।

एचडीएफसी के एचडीएफसी बैंक के साथ विलय प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली । एचडीएफसी के एचडीएफसी बैंक के साथ विलय के प्रस्ताव को शेयर बाजारों की मंजूरी मिल गई है। यह देश के कॉरपोरेट इतिहास में सबसे बड़ा लेनदेन है। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक, दोनों को दोनों स्टॉक बाजारों से अनापत्ति मिल गई है। एचडीएफसी बैंक ने बताया कि उसे बीएसई लिमिटेड से किसी भी प्रतिकूल टिप्पणी के बिना अवलोकन पत्र और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड से अनापत्ति के साथ अवलोकन पत्र मिला है। एचडीएफसी बैंक ने कहा` कि यह योजना अन्य बातों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण और योजना में शामिल कंपनियों के संबंधित शेयरधारकों और लेनदारों से मंजूरी सहित विभिन्न वैधानिक और नियामक अनुमोदनों के अधीन है। इससे पहले चार अप्रैल को देश की सबसे बड़ी आवास वित्त कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड का निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक में विलय का फैसला लिया गया था। करीब 40 अरब डॉलर के इस अधिग्रहण सौदे से वित्तीय सेवा क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी अस्तित्व में आएगी।

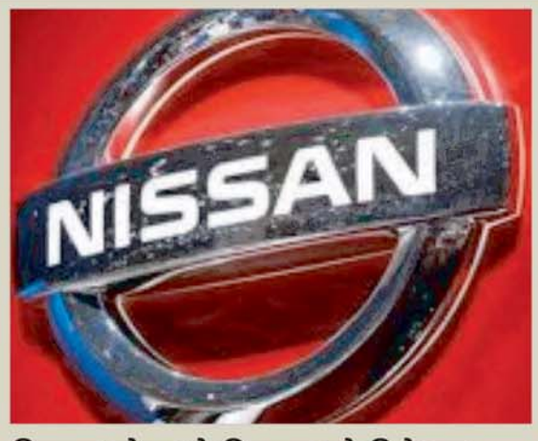

निसान मोटर ने विल्सन को निदेशक विपणन नियुक्त किया

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता निसान मोटर इंडिया ने कहा कि उसने मोहन विल्सन को निदेशक (विपणन, उत्पाद और ग्राहक अनुभव) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति एक जुलाई से प्रभावी है। कंपनी ने कहा कि विल्सन निसान मोटर कॉरपोरेशन के प्रीमियम कार ब्रांड इनफिनिटी के जापान स्थित वैश्विक मुख्यालय में वैश्विक विपणन योजना के प्रमुख थे। वह श्रीराम पद्मनाभन की जगह लेंगे। वह निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक राकेश श्रीवास्तव को रिपोर्ट करेंगे और उनका केंद्र चेन्नई होगा।

एपीसेज की माल आवाजाही बढ़कर नौ करोड़ टन हुई

नई दिल्ली। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीसेज) ने सोमवार को कहा कि उसकी माल आवाजाही चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में आठ प्रतिशत बढ़कर 9.08 करोड़ टन हो गई। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान माल की आवाजाही किसी भी तिमाही के मुकाबले सबसे अधिक रही। एपीसेज ने कहा कि सिर्फ जून में माल की आवाजाही 3.18 करोड़ टन रही, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत अधिक है। बयान के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में माल की आवाजाही किसी भी तिमाही के मुकाबले सबसे अधिक रही। इस दौरान तिमाही आधार पर 16 प्रतिशत और सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने बताया कि इस दौरान कोयले की आवाजाही सबसे अधिक रही। इसके अलावा कच्चा तेल और कंटेनर की भी प्रमुख हिस्सेदारी रही।

एनटीपीसी का बिजली उत्पादन 21.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान उसका बिजली उत्पादन 21.7 प्रतिशत बढ़कर 104.4 अरब यूनिट (बीयू) हो गया। कंपनी ने कहा कि एनटीपीसी समूह की कंपनियों ने 2022 की अप्रैल-जून तिमाही में 104.4 बीयू का उत्पादन दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के उत्पादन 85.8 बीयू से 21.7 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 में बिजली उत्पादन 34.8 बीयू रहा, जो जून 2021 के 26.9 बीयू की तुलना में 29.3 प्रतिशत अधिक है। ये आंकड़े कंपनी के बेहतर प्रदर्शन और चालू वर्ष में बिजली की मांग में वृद्धि को दर्शाते हैं। उड़ीसा में एनटीपीसी तालचेर कनिहा (3000 मेगावाट) अप्रैल से जून 2022 के बीच 94.2 प्रतिशत संयंत्र लोड फैक्टर (क्षमता उपयोग) के साथ शीर्ष प्रदर्शन करने वाला ताप बिजली संयंत्र था। एनटीपीसी के कोयला संयंत्रों का कुल लोड फैक्टर अप्रैल से जून 2022 के बीच 80 प्रतिशत था। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि में 69 प्रतिशत था।

यूनिकॉमर्स चालू वित्त वर्ष में 800 वेयरहाउस जोड़ेगी

मुंबई । आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र के प्रौद्योगिकी मंच यूनिकॉमर्स ने सोमवार को कहा कि वह देश में तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स के बीच चालू वित्त वर्ष में अपने नेटवर्क में 800 वेयरहाउस जोड़ने की योजना बना रहा है। कंपनी कई नई श्रेणियां और बिजनेस मॉडल लाने पर भी विचार कर रही है। कंपनी इस समय 7,200 से अधिक वेयरहाउस को प्रबंधन समाधान मुहैया कराती है। यूनिकॉमर्स ने कहा ` कि मार्च 2023 तक 8,000 से अधिक नए वेयरहाउस यूनिकॉमर्स के वेयरहाउस प्रबंधन मंच का लाभ उठाएंगे, जबकि 7200 से अधिक वेयरहाउस पहले ही जुड़े हुए हैं।

अडानी एंटरप्राइजेज को मिल सकता है कोल इंडिया के लिए कोयला आयात का टेंडर

मुंबई । कोल इंडिया के पहले कोयला आयात का टेंडर अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को मिलना लगभग तय हो गया है। देश के दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी ग्रुप की अडानी एंटरप्राइजेज ने कोल इंडिया के लिए कोयला आयात करने के लिए सबसे कम दर पर बोली लगाई है। भारत में पावर जेनरेशन कंपनियों के लिए कोयला आयात करने के लिए कोल इंडिया की ओर से टेंडर निकाला गया था। जिसमें अडानी की कंपनी की ओर से कोयला आयात के लिए सबसे कम बोली लगाई गई थी। कोल इंडिया से जुड़े सूत्रों के अनुसार अडानी इंटरप्राइजेज ने 2.41 मिलियन टन कोयले के आयात के लिए 4033 करोड़ रुपए की बोली लगाई हैं, वहीं उनके बाद सबसे कम बोली मोहित मिनरल्स नाम की कंपनी की ओर से 4182 करोड़ रुपए की लगाई गई है। उसके बाद बाद चेट्टिनाड लॉजिस्टिक्स ने विदेश से कोयला आयात के लिए 4222 करोड़ रुपए का टेंडर डाला था। सूत्रों के अनुसार बीते शुक्रवार को कोल इंडिया के कोयला आयात से संबंधित टेंडर की यह बोली खोली गई थी। गौरतलब है कि देश में कोयले की कमी को दूर करने के लिए विदेश से कोयला आयात कर 7 सार्वजनिक क्षेत्र की थर्मल पावर कंपनियों और 19 निजी पावर प्लांट को उपलब्ध कराने की योजना है। खबरों के मुताबिक अडानी एंटरप्राइजेज ने जनवरी से जून के बीच नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन के लिए कोयला आयात के कई प्रोजेक्ट्स के टेंडर हासिल करने में सफलता पाई है।

उच्च रक्तचाप और डायबिटीज जैसी बीमारियों में उपयोगी 84 दवाओं की कीमतें तय

कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तरकम करने फॉर्मूलेशन की कीमत भी तय

नई दिल्ली ।

दवाओं की कीमत तय करने संबंधी नियामक एनपीपीए ने डायबिटीज, सिरदर्द और उच्च रक्तचाप के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 84 दवाओं के लिए खुदरा कीमतें तय की हैं। राष्ट्रीय दवा मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने के लिए फॉर्मूलेशन की कीमत भी तय की हैं। नियामक ने एक अधिसूचना में कहा कि दवा (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 द्वारा मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एनपीपीए ने दवाओं की खुदरा कीमतें तय की हैं। आदेश के अनुसार वोग्लिबोस और (एसआर) मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड की एक टैबलेट की कीमत जीएसटी को छोड़कर 10.47 रुपए होगी। अब कंपनियां अपनी मर्जी से कीमतों में बढ़ोतरी नहीं कर सकती। इसी तरह पैरासिटामोल और कैफीन की कीमत 2.88 रुपए प्रति टैबलेट तय की गई है। इसके अलावा एक रोसुवास्टेटिन एस्पिरिन और क्लोपिडोग्रेल कैप्सूल की कीमत 13.91 रुपए तय की गई है। ये ऐसी दवाएं हैं जो आम तौर सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती हैं।

एनपीपीए ने कहा कि फार्मास्युटिकल कंपनियों को निश्चित कीमतों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है। ऐसा नहीं करने पर उनके ऊपर ब्याज सहित जुर्माना लगाया जाएगा। जिन दवाओं की कीमतें तय की गई हैं, उनमें टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और गैस्ट्रो से जुड़ी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं, साथ ही दिल के दौरे और स्ट्रोक को रोकने के लिए रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने के लिए ली जाने वाली दवाएं शामिल हैं। एक अलग अधिसूचना में एनपीपीए ने कहा कि उसने इस साल 30 सितंबर तक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन और ऑक्सीजन इनहेलेशन की संशोधित अधिकतम कीमत बढ़ा दी है। एनपीपीए नियंत्रित थोक दवाओं और फॉर्मूलेशन की कीमतों को तय या संशोधित करने और देश में दवाओं की कीमतों व उपलब्धता को लागू करने के लिए काम करता है। यह विनियंत्रित दवाओं की कीमतों की निगरानी भी करता है ताकि उन्हें उचित स्तर पर रखा जा सके।

एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध का पालन के लिए एक साल का समय मिलेः कैट

- जन जागरूकता आंदोलन किया जाए ताकि व्यापारियों के साथ-साथ लोगों को भी इसे पूरी तरह लागू करने के लिए समय मिल सके

नई दिल्ली ।

एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध के पालन में व्यापारियों के लिए कैट ने एक वर्ष का समय मांगा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा है कजिन धन योजना की तर्ज पर जन जागरूकता आंदोलन किया जाए ताकि व्यापारियों के साथ-साथ लोगों को भी इसे पूरी तरह लागू करने के लिए कुछ समय मिल सके। एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे कैट ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को एक पत्र भेज कर प्रतिबंध के कार्यान्वयन के लिए बाध्यकारी तरीकों के बजाय एक सुलह के दृष्टिकोण के साथ एक साल की लीन अवधि का आग्रह किया है। वहीं समुचित विकल्प करने और राष्ट्रव्यापी एक बृहद जागरूकता अभियान चलाये जाने हेतु अधिकारियों और स्टेकहोल्डर्स की एक संयुक्त समिति, निर्माण इकाइयों के लिए अपने व्यवसाय को अन्य विकल्पों में बदलने के लिए सरकार की एक नीति जिससे बेरोजगारी न फैले और मैन्युफैक्चरिंग यूनिटों के स्तर पर हर हालत में सिंगल यूज प्लास्टिक न उपयोग करने पर बाध्य जैसे क़दमों को उठाने का आग्रह भी किया है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी.भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने यादव को भेजे पत्र में कहा कि चूंकि यह परिवर्तन की अवधि है इसलिए सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग कम से कम हो। इसको चरणबध्द तरीके से सुनिश्चित करने के लिए गंभीर पहल की आवश्यकता है। सरकार का काम नीति बनाना और आदेशों को लागू करना है जिससे लक्ष्य को हासिल किया जा सके लेकिन इसके लिए एक व्यापक, सहयोग और भागीदारी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है जिसका जिक्र बार बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहभागी शासन के अंतर्गत किया है। भरतिया और खंडेलवाल ने यादव से आग्रह किया है कि वे संबंधित विभागों को निर्देश दें कि वे किसी भी व्यापारी या इकाई के खिलाफ कम से कम पहले वर्ष के लिए कोई कठोर कार्रवाई न करें और सभी स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से एक प्रभावी राष्ट्रीय अभियान शुरू किया जाए को जन धन योजना अभियान की तरह एक राष्ट्रीय आंदोलन बने। कैट ने सरकारी अधिकारियों और स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति गठित करने का सुझाव दिया है, जिसमें एकल उपयोग प्लास्टिक के लिए समान विकल्प सुझाने और विकसित करने की समयबद्ध सीमा हो ताकि बिना किसी व्यवधान के देश एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग बंद कर सके। कैट ने कहा कि दुनिया भर में देशों ने देश को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने के लिए चरणबद्ध तरीका ही अपनाया है। भरतिया और खंडेलवाल ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक देश में लाखों लोगों को रोजगार देने वाला और 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार करने वाला एक बहुत बड़ा उद्योग बन गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक उद्योग को बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने बड़े पैमाने पर क़र्ज़ दिया हुआ है और बिना कोई समुचित एवं समान विकल्प के पूर्ण प्रतिबंध से आर्थिक एवं कारोबारी गतिविधियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा एवं भारी वित्तीय असर और बेरोजगारी बढ़ने की संभावना है। दोनों व्यापारी नेताओं ने इन इकाइयों को वैकल्पिक उत्पादों में बदलने या अर्थव्यवस्था से संबंधित किसी अन्य गतिविधि के लिए सरकार द्वारा एक समर्थन नीति बनाने का आग्रह किया। भरतिया और खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारी उपभोक्ताओं और जनता के लिए पहला संपर्क बिंदु हैं इस वजह से इस प्रतिबंध का पहला असर उन पर ही होगा जबकि उत्पाद बेचने वाले व्यापारी केवल आपूर्ति श्रृंखला के जरिये लोगों की जरूरतें पूरी करते हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक का 98 प्रे तिशत उपयोग बहुराष्ट्रीय कंपनियों, कॉर्पोरेट निर्माताओं, उत्पादकों, ई-कॉमर्स कंपनियों, वेयरहाउसिंग हब, उद्योग और अन्य प्रकार की उत्पादन इकाइयों द्वारा या तो अपनी उत्पादन लाइन या तैयार माल की पैकेजिंग में किया जाता है. व्यापारियों को निर्माता अथवा सप्लाई चेन से जो भी पैकिंग मिलती है, उसी में सामान में व्यापारी बेचते हैं. जब तक इन कंपनियों और विनिर्माण इकाइयों को उत्पादन लाइन में या तैयार माल की पैकिंग में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है तब तक उपभोक्ता के स्तर पर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग का अवसर हमेशा बना रहेगा.

शार्ट न्यूज

सहज ने जीता एकल, अंकिता-प्रिस्का ने युगल खिताब

गुरुग्राम। सहज यमलापल्ली ने द टेनिस प्रोजेक्ट के आईटीएफ डॉलर 25,000 टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम दिन तक अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए एकल फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त विक्टोरिया मोरवायोवा को 6-3 7-6 (5) से मात देकर खिताब जीत लिया। सहज ने टूर्नामेंट की शुरुआत गत वर्ष की चैंपियन करमन कौर थांडी को पहले राउंड में हराकर की थी। इसके बाद उन्होंने दूसरे दौर में टॉप सीड सौजन्य बाविसेट्टी सहित लगातार प्रतिद्वंद्वियों को शिकस्त देते हुए फाइनल में जगह बनायी। सहज ने रविवार को हुए फाइनल में तीसरी वरियता प्राप्त मोरवायोवा को हराकर इस साल का अपना दूसरा एकल खिताब हासिल किया। इससे पहले वह मार्च में हुए आईटीएफ डॉलर 15,000 टूर्नामेंट में भी अपना परचम लहरा चुकी हैं। इसी बीच, प्रिस्का नुगरोहो के साथ साझेदारी में देश की नंबर एक अंकिता रैना ने डबल्स फाइनल में जापानी जोड़ी मिसाकी मात्सुदा/मोमोको कोबोरी को 3-6, 6-0 (10-6) से हराकर खिताब अपने नाम किया।

एमआरवी अकादमी ने जीता संजय डोबाल क्रिकेट कप का खिताब

नयी दिल्ली। मैन ऑफ द मैच धैर्य दत्ता के आलराउंड प्रदर्शन (82 रन और 2/12), लक्ष्य शर्मा (50 रन), सागर चमोली (40) देवांश बिष्ट (3/45) के शानदार खेल की बदौलत एमआरवी अकादमी द्वारका ने एमआरवी स्कूल द्वारका में पहले संजय डोबाल मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में बाल भवन अकादमी द्वारका को 73 रन से हराकर ख़िताब जीत लिया। पराजित टीम की ओर से वैदिक नागवंशी (86), हेमंग पराशर (34) ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण पूर्व क्रिकेटर विजय दहिया और परविंदर अवाना ने किया। इस मौके पर डीडीसीए के ट्रेजरार पवन गुलाटी और विकास कत्याल, एमआरवी स्कूल द्वारका की प्रिंसिपल भावना बब्बर, बॉबी ढौंडियाल और मनविंदर विस्ला मौजूद थे। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आर्यन भारद्वाज, बेस्ट बॉलर सौरव राजभर और सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार देवांस बिष्ट को दिया गया।

महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए नार्थ ईस्ट फुटबाल लीग का आयोजन

नयी दिल्ली। महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ 7 से 23 जुलाई तक नार्थ ईस्ट महिला फुटबाल लीग का आयोजन किया जा रहा है। अनंतपुरा स्पोर्ट्स इवेंट प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन अमीन पठान ने सोमवार को बताया कि महिला फुटबाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन किया जा रहा है तथा युवा खिलाड़ियों को खेलो के प्रति आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता जीतू वर्मा (जोजो), भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान दीपक हुड्डा, फुटबाल कोच राकेश कुमार तथा अंतरराष्ट्रीय कबड्डी एथलीट राजेश नरवाल मौजूद रहे। इसके साथ ही ऑल मणिपुर फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन कुमार सिंह , सचिव एल ज्योतिर्मय रॉय , अनंतपुरा स्पोर्ट्स इवेंट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अनस पठान, टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर निर्मल व्यास सहित अन्य मेहमान मौजूद रहे। अतिथियों ने बताया कि इस लीग का आयोजन 7 से 23 जुलाई तक किया जाएगा। नार्थ ईस्ट में फुटबॉल की लोकप्रियता को देखते हुए एवं महिला खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन किया जा रहा है जोकि खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक पहल है और ऐसे आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिएं। अमीन पठान ने कहा, ऑल मणिपुर फुटबॉल एसोसिएशन के सानिध्य में इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। देश मे खेलो को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए सभी खेलो की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। युवा खिलाड़ियों, खासकर महिला खिलाड़ियों, के लिए ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

अंडर-15 महिला कुश्ती टीम ने जीता एशियाई खिताब

मनामा। भारतीय अंडर-15 महिला टीम ने सोमवार को बहरीन में आयोजित अंडर-15 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में छह स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर एशियाई खिताब अपने नाम किया। भारत 210 अंक के साथ पहले, जापान 195 अंक के साथ दूसरे और किर्गिजिस्तान 149 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत की ओर से स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए तनीषा ने 33 किग्रा भार वर्ग में, दीपांशी ने 39 किग्रा भार वर्ग में, एकता ने 46 किग्रा भार वर्ग में और रंजिता ने 50 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नेहा ने 54 किग्रा और काजल ने 66 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण जीता। साथ ही मोनिका ने 42 किग्रा और रौनक ने 58 किग्रा भार वर्ग में भारत को रजत पदक दिलाये। प्रतियोगिता की फ्रीस्टाइल श्रेणी के बाउट मंगलवार को आयोजित किये जाएंगे।

आयरलैंड दौरे से पहले मिचेल सैंटनर कोरोना पॉज़िटिव

ऑकलैंड। शुक्रवार को कोरोना पॉज़िटिव पाए जाने के बाद न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने रविवार को टीम के बाक़ी सदस्यों के साथ आयरलैंड की यात्रा नहीं की है। ठीक होने और निगेटिव रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए उन्हें कम से कम एक हफ़्ते का समय लगेगा। 10 जुलाई को पहले वनडे के साथ दौरा शुरू होगा और सैंटनर आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के विरुद्ध टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ से पहले कप्तान का पद संभालने के लिए टीम के साथ जुड़ना चाहेंगे। आयरलैंड दौरे के लिए टीम के प्रमुख कोच शेन जर्गेंसन ने कहा, कोविड एक चुनौती रहा है और आगे भी रहेगा। हमें इसके साथ रहना सीखना होगा। वह (सैंटनर) ठीक हैं और हम उन्हें अगले हफ़्ते दल के साथ जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें तीन दौरों पर 11 मैच खेलने हैं और इसके बाद अगस्त में वेस्टइंडीज़ का दौरा भी होगा जहां मिच टीम के साथ जुड़े रहेंगे। इसलिए हम कोई जल्दबाज़ी नहीं करना चाहते हैं। तीन वनडे मैच 10, 12 और 15 जुलाई को मैलाहाइड में खेले जाएंगे। इसके बाद बेल्फ़ास्ट में 18, 20 और 22 जुलाई को टी20 मैच होने है। इसके बाद टीम दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय और एक वनडे खेलने स्कॉटलैंड जाएगी। अंत में अगस्त की शुरुआत में नीदरलैंड्स जाकर न्यूज़ीलैंड टीम को दो और टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने हैं।

अमेरिकी महिला टीम के कोच बने चंद्रपॉल

लॉस एल्टस (कैलिफोर्निया)। वेस्ट इंडीज के पूर्व कप्तान और बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल को अमेरिका की महिला टीम और अंडर-19 महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया है। अमेरिका क्रिकेट बोर्ड ने यह जानकारी दी। बोर्ड ने रविवार को कहा कि चंद्रपॉल ने 2023 के अंत तक के लिये डेढ़ साल का अनुबंध किया है। अमेरिका की अंडर-19 महिला टीम रविवार को वेस्टइंडीज अंडर -19 राइजिंग स्टार्स टी20 चैंपियनशिप के लिए कैरेबियन के लिए रवाना हो गई है, जहां चंद्रपॉल पहली बार टीम की कमान संभालेंगे। यह प्रतियोगिता त्रिनिदाद और टोबैगो में पांच जुलाई से 13 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। चंद्रपॉल वर्तमान में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 2022 संस्करण में जमैका तल्लावाह्स के मुख्य कोच हैं और हाल ही में, वेस्ट इंडीज अंडर-19 पुरुष टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं।

छत्रसाल स्टेडियम के अरविन्द ने जीता दंगल

नयी दिल्ली। अरविंद, छत्रसाल स्टेडियम ने पहला गुरु परसराम गोल्डकप दंगल जीत लिया है। इस दंगल में करीब 200 पहलवानों ने अपना हुनर दिखाया द्य दंगल आरवी स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर व गुरु अशोक वशिष्ठ (दलपति परसराम दल) के तत्वाधान में हुआ। दंगल गुरू परसराम (हिन्द केसरी 1962) की याद में ऐतिहासिक अखाड़ा गुरु चिरंजी सिविल लाइंस पर कराया गया जिसमें अरविंद छत्रसाल स्टेडियम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 31,000 का नकद इनाम व गुरूज अपने नाम किया।

2021 की योजना के तहत गेंदबाज़ी करके हमें सफलता मिली : सिराज

बर्मिंघम। पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीसरे दिन के खेल के बाद कहा कि 2021 की योजना के तहत गेंदबाज़ी करके हमें सफलता मिली।

सिराज के अनुसार भारत के पास 140 किमी प्रति घंटे की गति से गेंदबाज़ी करने वाले गेंदबाज़ों का एक अच्छा समूह है, इसी कारण भारत पिछले साल सीरीज़ में 2-1 से बढ़त बनाने में सफल रहा था। भारत ने इस मैच में भी उसी योजना के साथ गेंदबाज़ी की और उन्हें सफलता मिली। सिराज ने पहली पारी में चार विकेट झटके, जिसमें जो रूट का भी विकेट शामिल है।

मैच से पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने साफ़ कह दिया था कि उनकी टीम निडर होकर बल्लेबाज़ी करने वाली है। इसी शैली के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए स्टोक्स का विकेट भी गिरा। इसके बाद भारत 132 रनों की बढ़त लेने में सफल रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों में सिर्फ़ जॉनी बेयरस्टो ही सफल रहे और उन्होंने शतक भी लगाया, जिसके कारण उनकी टीम एक ठीक-ठाक स्कोर तक पहुंच सकी।

सिराज ने कहा, एक गेंदबाज़ के तौर पर हम पूरे धैर्य के साथ गेंदबाज़ी करने का प्रयास कर रहे थे। बेयरस्टो काफ़ी बढ़िया फ़ॉर्म में हैं और लगातार रन बना रहे हैं। हमें पता था कि उनका आत्मविश्वास काफ़ी ऊपर है। हमारी योजना काफ़ी सरल थी कि अतिरिक्त प्रयास नहीं करना है। हमने जो योजना बनाई है, उसी के अनुसार गेंदबाज़ी करते रहना है। उन्हें आउट करने के लिए हमें बस एक अच्छी गेंद डालनी थी।लंच के बाद जसप्रीत बुमराह ने काफ़ी बढ़िया गेंदबाज़ी करते हुए सटीक लेंथ पर गेंदबाज़ी की। साथ ही उन्होंने धीमी गति से भी गेंद डाली। कुल मिला कर उन्होंने बेयरस्टो को शांत रखा। इसके बाद बेयरस्टो शमी की एक फुलर लेंथ गेंद पर स्लिप में खड़े विराट कोहली को कैच दे बैठे।

सिराज ने कहा, जब हमने न्यूज़ीलैंड सीरीज़ देखी तो हमने महसूस किया कि हमारा हर गेंदबाज़ 140 से अधिक की गति से गेंदबाज़ी कर सकता है और उनके गेंदबाज़ों पास यह क्षमता नहीं है।

पिछले साल यही हमारी मज़बूती थी और इसलिए हमें सफलता मिली थी। पहली पारी में पिच गेंदबाज़ों को मदद कर रही थी, इसलिए हमारी योजना थी कि हमे एक एक ही क्षेत्र में लगातार गेंदबाज़ी करते रहना है। हम कहीं से भी कमज़ोर गेंद नहीं करना चाहते थे। इससे विपक्षी टीम को रन बनाने का मौक़ा मिल सकता था।

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ इंग्लैंड के बल्लेबाज़ो ने आक्रामक दृष्टिकोण के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए आसानी से 270 से अधिक के तीन लक्ष्य का पीछा किया।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्टोक्स की टीम फिर से यही प्रयास करेगी। इस बारे में सिराज का मानना है कि चौथी पारी में उन्हें बल्लेबाज़ी करने में दिक्कत होगी।

कई गेंदों में कम उछाल देखने को मिल रहा है। इसके कारण हमें मदद मिलेगी।

योगेश्वर के शिष्य नरेन्द्र भड़ाना का सराय गांव में भव्य स्वागत

गुरुग्राम। किर्गिस्तान में हुई एशियन कैडेट सब जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप में 71 किलो भार वर्ग में सराय गांव, तावडू मेवात के रहने वाले नरेन्द्र भड़ाना को रजत पदक प्राप्त होने पर सराय गांव में आयोजित एक सम्मान समारोह में नरेन्द्र भड़ाना का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें मोमेंटो तथा लाखों रुपए की राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन प्रो रेसलिंग लीग एनसीआर पंजाब रॉयल टीम के मालिक धर्मपाल राठी पहलवान एवं क्षेत्र के समस्त ग्रामवासियों की ओर से किया गया। इस मौके पर मौजूद पूर्व ओलंपियन पदक विजेता एवं राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित पहलवान योगेश्वर दत्त, पूर्व भारत केसरी नरेन्द्र कोच, राष्ट्रीय कोच रामफल मान, मनोज कोच, नरेश कोच एवं एनसीआर पंजाब रॉयल टीम के कोच ओम प्रकाश को भी पगड़ी पहनाकर एवं रुपए की माला पहनाकर स्वागत किया गया। धर्मपाल राठी कोटा गांव ने बताया कि एशियन कैडेट सब जुनियर कुश्ती चैंपयिनशिप में रजत पदक प्राप्त कर सतबीर पहलवान के पुत्र नरेन्द्र भड़ाना ने भारत देश के साथ साथ हरियाणा एवं समस्त क्षेत्र का नाम रोशन किया है। क्षेत्र को नरेन्द्र भड़ाना से काफी उम्मीद है। सम्मान समारोह में नरेन्द्र का सम्मान करने के लिए पूरे क्षेत्र की जनता उमड़ पड़ी एवं बाजे गाजे के साथ व फूलों की वर्षा कर नरेन्द्र का सराय गांव में भव्य स्वागत किया गया। सम्मान समारोह में नरेन्द्र भड़ाना को बिस्सर गांव की ओर से 51 हजार, कोटा गांव की ओर से 51 हजार, बार गुर्जर गांव की ओर से 51 हजार, सराय गांव की ओर से एक लाख 11 हजार, सोहना के विधायक संजय सिंह की ओर से एक लाख, सुंदर भड़ाना की ओर से 21 हजार, प्रदीप खटाना की ओर से 21 हजार, अंनतराम तंवर की ओर से 51 हजार, मुखराम पहलवान की ओर से 31 हजार, हरशरण कोटा की ओर से 11 हजार, नत्थू बल्ला की ओर से 11 हजार, कालू भगवत अखाड़ा कोच की ओर से 11 हजार,, गुटार पंच बिस्सर की ओर से 11 हजार रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया।

दूसरी बार रेनेगेड्स का हिस्सा बनीं हरमनप्रीत

मेलबर्न। महिला बिग बैश लीग के क्लब मेलबर्न रेनेगेड्स ने भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ आगामी सीजन के लिये दोबारा अनुबंध किया है। रेनेगेड्स ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, महिला बिग बैश लीग के पिछले सत्र की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ एक और सत्र के लिये जुड़ेंगी। डब्ल्यूबीबीएल-7 में हरमनप्रीत ने रेनेगेड्स के लिये सर्वाधिक रन बनाने के साथ-साथ सबसे ज्यादा विकेट भी लिये थे।दाएं हाथ की बल्लेबाज हरमनप्रीत ने 58 के औसत से 406 रन बनाए और अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 15 विकेट भी लिये। वह 18 छक्के लगाकर डब्ल्यूबीबीएल-7 में सर्वाधिक छक्के लगाने वाली खिलाड़ी भी बनीं। हरमनप्रीत ने दोबारा रेनेगेड्स का हिस्सा बनने पर कहा, मैं रेनेगेड्स में वापस आने के लिए उत्साहित हूं। मुझे पिछले सीज़न में टीम के माहौल का हिस्सा बनने में बहुत मज़ा आया और मुझे ऐसा लगता है कि इससे मुझे अपना खेल सुधारने में मदद मिली।

भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा

एजेंसी

पल्लेकेल। भारत ने स्मृति मंधाना (94 नाबाद) और शेफाली वर्मा (71 नाबाद) के शानदार अर्द्धशतकों की बदौलत श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 10 विकेट से जीत दर्ज की।

श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 50 ओवर में 174 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने इससे पहले टी 20 सीरीज 2-1 से जीती थी।

भारत ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और 11 रन के स्कोर पर ही तीन विकेट झटक लिये।श्रीलंका नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही और कभी भी ऐसा नहीं लगा कि पारी उनके नियंत्रण में है। अमा कंचना ने अपनी टीम के लिये सर्वाधिक 47(83) रन की नाबाद पारी खेली जिसमें उन्होंने दो चौके लगाये। इसके अलावा निलाक्षी डि सिल्वा ने 32(62) रन बनाये, जबकि कप्तान चमारी अटापट्टू ने 27(45) रन जोड़े और श्रीलंका अपने 50 ओवर में 173 रन पर ऑल-आउट हो गयी। भारत की दमदार गेंदबाजी के बाद दमदार बल्लेबाजी ने ताबूत में आखिरी कील का काम किया।

हरमनप्रीत कौर की टीम ने एक भी विकेट गंवाये बिना 174 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। भारत के लिये स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की बदौलत सर्वाधिक 94 रन बनाये। शेफाली ने उनका साथ देते हुए 71 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाकर 71 रन की पारी खेली।

सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी भारत गुरुवार को क्लीन स्वीप करने के इरादे से तीसरा मैच खेलने उतरेगी।

'धरती पर नर्क जैसा है यूक्रेन का पूर्वी फ्रंट, लाशों से पटे पड़े हैं रास्ते'

कीव। यूक्रेन का पूर्वी फ्रंट नर्क जैसा बना हुआ है। खुद यूक्रेन के सैनिकों ने वहां के हालातों के बारे में बताया है। जंगल जल गए हैं और शहर के शहर जमींदोज हुए पड़े हैं। रास्ते लोगों के शवों से पटे पड़े हैं। इतनी ज्यादा बमबारी हो रही है कि एकमात्र विकल्प खाई में लेटकर इंतजार और प्रार्थना करना बचा है। पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूस भयंकर आक्रमण कर रहा है। डोनबास क्षेत्र में अग्रिम मोर्चे से लौट रहे यूक्रेनी सैनिक बता रहे हैं कि रूस ने इलाके में मारकाट मचा रखी है। द एसोसिएटेड प्रेस के साथ इंटरव्यू में, कुछ ने अराजकता और अथक गोलाबारी के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत की है। दूसरों ने उच्च मनोबल, उनके सहयोगियों की वीरता और लड़ाई जारी रखने की प्रतिबद्धता की भी बात की।

30 वर्षीय लेफ्टिनेंट वलोडिमिर नजरेंको यूक्रेनी नेशनल गार्ड के स्वोबोडा बटालियन के दूसरे-इन-कमांड हैं। वे सैन्य नेताओं के आदेश के तहत सिविएरोडोनेट्सक से पीछे हटने वाले सैनिकों के साथ थे। उन्होंने कहा कि एक महीने की लंबी लड़ाई के दौरान, रूसी टैंकों ने किसी भी संभावित रक्षात्मक स्थिति को मिटा दिया और 101,000 की आबादी वाले शहर को जले हुए रेगिस्तान में बदल दिया।

नजरेंको ने कहा, शहर को व्यवस्थित रूप से समतल कर दिया गया है। उन्होंने हम पर हर दिन गोलाबारी की। मैं इसके बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। लेकिन हर इमारत में गोला-बारूद के बैराज थे।

लुहांस्क पर कब्जा करने के रूस के दावे को यूक्रेन ने किया खारिज

रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना ने रविवार को लुहांस्क प्रांत में यूक्रेन के नियंत्रण वाले अंतिम बड़े शहर लिसिचांस्क पर कब्जा कर लिया। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि लिसिचांस्क में लड़ाई जारी है।

लुहांस्क प्रांत पर रूस का नियंत्रण होने से दोनेत्सक पर कब्जा करने में उसके सैनिकों को मदद मिलेगी। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह जानकारी दी कि रूसी सैनिकों ने स्थानीय मिलिशिया के साथ मिलकर ''लिसिचांस्क शहर पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है।''

यूक्रेन के सैनिक पिछले कई हफ्तों से लिसिचांस्क शहर को बचाने का प्रयास कर रहे हैं और अब रूस के मुकाबले उनकी स्थिति कमजोर हो रही है, जबकि पड़ोसी सिविएरोदोनेत्स्क पर एक हफ्ते पहले ही रूस का कब्जा हो चुका है।

दौरे पर आए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ संवाददाता सम्मेलन में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, ''हम अभी किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंच सकते। लिसिचांस्क में अब भी लड़ाई जारी है।''

इटली में ग्लेशियर ढहने से छह लोगों की मौत

पेरिस। इटली के आल्प्स में ग्लेशियर ढहने से हुए हिमस्खलन के कारण छह लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य लापता हो गए है। मीडिया रिपोर्ट्स में सोमवार को यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बचावकर्मी रात भर प्रभावित इलाके में हेलिकॉप्टर के जरिए लापता लोगों की तलाश में लगे रहे। बीबीसी ने बताया कि घटना के एक वीडियो में क्षेत्र के सबसे ऊंचे पर्वत मर्मोलदा की ढलानों से बर्फ का एक पिंड गिरते हुए दिखाई दे रहा है। आपातकालीन सेवाओं की प्रवक्ता मिशेला कैनोवा ने बताया, हिमस्खलन के कारण बर्फ की एक चट्टान पर्वतारोही दल के टकराने से कुछ लोग बह गए। दल में शामिल पर्वतारोहियों की निश्चित संख्या अभी तक ज्ञात नहीं हुई है। ग्लेशियर के ढहने के कारणों की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

रूस के बेलगोरोड में यूक्रेनी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हुई

बेलगोरोड। रूसी शहर बेलगोरोड में यूक्रेन के हवाई हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के दो सदस्यों के शव मिले हैं। मृतकों के रिश्तेदार ने सोमवार को स्पूतनिक को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने शनिवार को बेलगोरोड के रिहायशी इलाके को क्लस्टर वारहेड्स से लैस तीन टोचका-यू मिसाइलों से निशाना बनाया गया, लेकिन सभी तीन मिसाइलों को रूसी वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा हवा में नष्ट कर दिया गया। यूक्रेनी मिसाइलों में से एक के टुकड़े एक घर पर गिर गए। परिवार के एक सदस्य ने कहा,मृतकों में ओलेग, उनकी पहली पत्नी ओल्गा, उनके दो बच्चे तथा ओल्गा की मां शामिल है। उन्होंने कहा कि बाद के दो के शव रविवार शाम को मिले। बेलगोरोड के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने शुरू में कहा था कि हमले के परिणामस्वरूप चार लोग मारे गए और एक बच्चे सहित चार अन्य घायल हो गए। रूसी जांच एजेंसी ने कहा कि तीन लोग मारे गए और एक बच्चे सहित दो लापता हैं।

उज्बेकिस्तान में हिंसा में 18 लोगों की मौत, 243 घायल

ताशकंद। उज्बेकिस्तान में काराकल्पकस्तान क्षेत्र की राजधानी नुकस में गत एक जुलाई को हुई हिंसा में अब तक 18 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 243 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों ने सोमवार को जानकारी दी। उज्बेक अभियोजक जनरल के कार्यालय के अभियोजक अब्रोर ममातोव ने कहा,नुकस में हिंसा में घायलों में से 18 लोगों की मौत हो गयी। उज्बेकिस्तान राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रवक्ता डावरोन जुमानियाज़ोव ने कहा कि घायलों में से 94 का अभी भी अस्पतालों में उपचार किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 516 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई को नुकस के बाहरी बाजार क्षेत्र में स्थानीय ब्लॉगर की रिहाई की मांग करने के लिए लोगों ने संविधान संशोधनों के खिलाफ विरोध का आह्वान किया था। प्रदर्शनकारियों का मानना था कि यदि संशोधनों को अपनाया गया तो कराकल्पकस्तान उज्बेकिस्तान से अलग होने का अपना अधिकार खो सकता है।

मंत्रियों ने इमरान को अनुच्छेद छह के तहत दी चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पीएमएल-एन नीत सरकार के शीर्ष मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राज्य की संस्थाओं की आलोचनाएं करने के लिए संविधान के अनुच्छेद छह के संदर्भ के तहत उन्हें उच्चतम न्यायालय तक ले जाने की चेतावनी दी है। यह जानकारी डॉन ने सोमवार को दी। रेल एवं उड्डयन मंत्री ख्वाजा साद रफीक और एमएनए और पूर्व अध्यक्ष सरदार अयाज सदीक ने इस मामले में लाहौर में मीडिया से बात की जबकि आतंरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने फैसलाबाद और नरोवाल में पार्टी कार्यकर्ताओं से बात की। साद रफीक ने रविवार को रेलवे मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक तरफ इमरान खान संविधान और कानून का उल्लंघन करते है और दूसरी ओर न्यायपालिका के प्रमुख को अपशब्द कहते है। वह मानसिक रूप से संतुलित नहीं है।

रूस के मिसाइल हमले से खारकिव का स्कूल नष्ट

कीव। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकिव में रूस द्वारा मिसाइल से किये गये हमले में वहां स्थित माध्यमिक स्कूल नष्ट हो गया है। मीडिया ने क्षेत्रीय अधिकारियों के हवाले से सोमवार को यह रिपोर्ट दी। सीएनएन ने टेलीग्राम पोस्ट में ओलेह सिनेहुबोव के हवाले से बताया, आज सुबह चार बजे रूस ने खार्किव के शेवचेनकोवस्की जिले पर एक घातक मिसाइल हमला किया। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने माध्यमिक स्कूल को निशाना बनाया है। अब बचावकर्मी वहां से मलबा हटा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री सिनेहुबोव के अनुसार खार्किव अन्य क्षेत्रों में हमले हुए हैं। इस क्षेत्र के दरगाची समुदाय के बेज्रुकी गांव में हुए हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए हैं।

तेहरान में रेतीले तूफान की वजह से बंद किए गए स्कूल और दफ्तर

एजेंसी

तेहरान। ईरान की राजधानी और दक्षिणी क्षेत्र में बालू के तूफान के बाद तेहरान के स्कूल और सरकारी दफ्तरों को सोमवार को बंद कर दिया गया। सरकारी टीवी ने खराब वायु गुणवत्ता की चेतावनी दी है और बुजुर्गों, बीमारों और बच्चों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। खबर में कहा गया है कि तेहरान स्टॉक एक्सचेंज एवं बैंक खुले रहेंगे।

यह दूसरी बार है कि तेहरान ने स्कूल और सरकारी दफ्तरों को बंद किया है और यह अप्रैल मध्य से बालू का, चौथा सबसे भीषण तूफान है। बालू के तूफान की पहचान से मई में पहली बार तेहरान में स्कूल और सरकारी दफ्तरों को बंद किया गया था। बहरहाल, इराक से लगते देश के पश्चिमी हिस्से में बालू के तूफान की वजह से अक्सर स्कूल और कार्यालय बंद किए जाते हैं।

तेहरान दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल है।

इसके लिए जानकार सरकार की खराब नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। जलवायु परिवरत्न के साथ यहां का रेगिस्तान बढ़ रहा है और वॉटर लेवल लगातार घट रहा है। इस वजह से अब आए दिन बालू के तूफान आने लगे हैं।

बता दें कि पिछली बार जब तूफान आया था तब सांस लेने में तकलीफ होने की वजह से हजारों को लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। देशभर के हवाई अड्डे भी बंद कर दिए गए थे। इसके अलावा तूफान से एक व्यक्ति की मौत भी हो गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता है। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पाउंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते है कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते है लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे है। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया है और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती है या घर से दूर कहीं बाहर रहती है। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते है उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती है।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।